mediaauditornews@gmail.com Epaperdainikmediaauditor.in वर्ष-30 अंक-52 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

सतना
22 फरवरी 2026 रविवार

दैनिक
मीडियाऑडीटर

रीवा, सतना एवं मनेन्द्रगढ़ से एक साथ प्रकाशित

एआई समिट में कांग्रेस का प्रदर्शन, भाजपा सड़कों पर:

भिवंडी में राहुल गांधी को काले झंडे दिखाए, दिल्ली में कांग्रेस मुख्यालय के बाहर नारेबाजी

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस के एआई समिट में हंगामा करने के विरोध में भाजपा शनिवार को दिल्ली, महाराष्ट्र, गुजरात और जम्मू-कश्मीर में प्रदर्शन कर रही है। दिल्ली में कांग्रेस कार्यालय के बाहर भाजपा युवा मोर्चा के कार्यकर्ता 'कांग्रेस+राहुल गांधी=गद्दार', 'देशद्रोही राहुल गांधी माफी मांगे' के पोस्ट लेकर विरोध कर रहे हैं।

उधर, मुंबई के मुलुंड में भाजपा कार्यकर्ताओं ने राहुल गांधी के काफिले को काले झंडे दिखाए। वे यहां से भिवंडी जा रहे थे। 2014 के लोकसभा चुनाव प्रचार के दौरान ऋरू पर की गई विवादित टिप्पणी के मामले में भिवंडी कोर्ट में शनिवार को उनकी पेशी थी।

गुजरात के सूरत में भाजपा कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस का पुतला जलाया। जम्मू-कश्मीर में भी भाजपा कार्यकर्ताओं ने विरोध जताया।

दरअसल, 20 फरवरी को दिल्ली स्थित भारत मंडपम में इंडियन यूथ कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने शुक्रवार को ढ्ढ समिट 2026 में भारत-अमेरिका ट्रेड डील के खिलाफ प्रदर्शन किया।

प्रदर्शन के कई वीडियो भी सामने आए हैं। इसमें 15-20 कार्यकर्ता हाथ में सफेद रंग की टी-शर्ट लिए हुए हैं। टी-शर्ट पर क्क्रू मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की फोटो लगी है। उस पर लिखा है- पीएम इज कॉम्प्रोमाइज्ड।

यूथ कांग्रेस का हंगामा: 4 प्रदर्शनकारी गिरफ्तार :दिल्ली पुलिस ने 4 प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तार किया है। इनकी पहचान इंडियन यूथ कांग्रेस के सेक्रेटरी कृष्णा हरि, बिहार स्टेट सेक्रेटरी कुंदन यादव, उत्तर प्रदेश स्टेट वाइस प्रसिडेंट अजय कुमार और नेशनल कोऑर्डिनेटर नरसिम्हा यादव के रूप में हुई है।

वहीं भाजपा ने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने साजिश के तहत इंटरनेशनल समिट में भारत की छवि धूमिल की है। BJP सांसद संबित पात्रा ने कहा- यह संयोग नहीं, बल्कि एक प्रयोग था। इसकी प्लानिंग राहुल गांधी के आवास पर बनाई गई थी, जहां सोनिया और प्रियंका मौजूद थीं।

पुलिस बोली- प्रदर्शनकारियों ने ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन कराया था

दिल्ली पुलिस में एडिशन कांस्टेबल देवेश कुमार महला ने बताया कि यह घटना दोपहर करीब 12 :30 बजे घटी। प्रदर्शनकारियों ने ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन कराया और क्यूआर कोड स्कैन करके समिट हॉल में एंट्री की। उन्होंने ऊपर स्वेटर और जैकेट पहनी हुई थी और अंदर टी-शर्ट। हॉल नंबर 5 के पास उन्होंने अपने स्वेटर और जैकेट उतार दिए और टी-शर्ट लहराते हुए विरोध प्रदर्शन किया। कार्यकर्ताओं पर पुलिस के साथ झड़प करने का भी आरोप है। दिल्ली पुलिस सूत्रों के अनुसार, कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने पहले काले रंग के छाते पर स्टिकर चिपकाकर भारत मंडपम में घुसने की योजना बनाई थी। फिर उन्हें एहसास हुआ कि गेट पर जांच के दौरान काले छाते पकड़े जाएंगे। इसलिए उन्होंने टी-शर्ट पर स्टिकर चिपका दिए। स्टिकर कहां छपवाए गए थे, यह पता लगाने के लिए जांच जारी है।

अजित पवार के भतीजे का आरोप- प्लेन क्रैश बड़ी साजिश

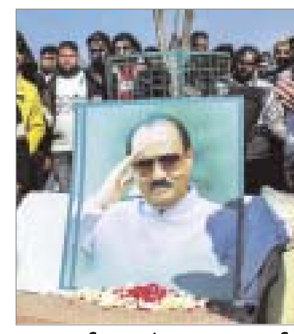

● दुर्घटना के समय कई धमाके हुए थे, विमान में पेट्रोल के डिब्बे रखे गए थे ।

नई दिल्ली/ बारामती/ मुंबई, एजेंसी। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार गुट) के विधायक रोहित पवार ने शनिवार को अजित पवार के प्लेन क्रैश पर फिर सवाल उठाए। उन्होंने दिल्ली में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में स्क्रीन पर डेटा और फोटो दिखाए।

उन्होंने कहा कि ब्लैक बॉक्स को लेकर शक जताया जा रहा था। उनके मुताबिक, दुर्घटना के समय सिर्फ एक धमाका नहीं हुआ था, बल्कि कई धमाके हुए थे।

विमान में सामान रखने वाली जगह पर अतिरिक्त पेट्रोल के डिब्बे रखे गए थे, जिससे आग भड़की। सभी पहलुओं की गहराई से जांच होनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि अगर साजिश की बात करें तो यह दो तरह की हो सकती है, राजनीतिक या व्यावसायिक।

रोहित बोले- पीएम मोदी और गृह मंत्री शाह न्याय दिलाएं

रोहित ने आरोप लगाया है कि अजित पवार प्लेन क्रैश के मामले को कुछ लोग कंट्रोल करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने पीएम मोदी और गृह मंत्री अमित शाह को लेटर लिखा है।

रोहित ने लिखा- मैं आपको केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू के संबंध में तत्काल कार्रवाई करने का अनुरोध करने के लिए यह पत्र लिख रहा हूं। कंपनी VSR और राम मोहन नायडू की पार्टी के साथ उसके संबंधों को लेकर गंभीर सवाल उठाए गए हैं।

अभी यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि इस मामले में किस तरह की साजिश शामिल है। महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम अजित पवार की 28 जनवरी को बारामती में प्लेन क्रैश में मौत हो गई थी। यह प्लेन VSR कंपनी का था।

दिल्ली में कार की टक्कर से डिलीवरी बॉय की मौत

दावा- कार 150kmph की स्पीड में थी; शकरपुर इलाके में कार की टक्कर 3 घायल

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में शुक्रवार देर रात तेज रफ्तार कार की टक्कर से डिलीवरी बॉय की मौत हो गई। हादसा रात 3.26 बजे सुभाष नगर मेट्रो रेड लाइट के पास राजौरी गार्डन की ओर जाने वाली सड़क पर हुआ।

पुलिस के मुताबिक घटना में हेम शंकर (25) की मौत हुई है। वो रघुबीर नगर का रहने वाला था। हेम शंकर जेप्टो में काम करता था। टक्कर के उसकी इलेक्ट्रिक स्कूटी पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई।

पुलिस ने बताया कि घटना के बाद हेम शंकर को डीडीयू अस्पताल ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। आरोपी कार ड्राइवर मोहित कुमार (27) को गिरफ्तार किया गया है। कार भी जब्त है।

घटना के चश्मदीद का कहना है कि जब यह हादसा हुआ, तब कार की स्पीड 150 किमी की थी। आरोपियों ने टक्कर मारने के बाद मौके से भागने की कोशिश भी की थी।

अमेरिकी टैरिफ डील, राहुल बोले- मोदी ने विश्वासघात किया:

खड़गे का आरोप- सरकार ट्रम्प की ट्रैप डील में फंसी, भारत से भारी रियायतें छीन लीं

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिकी टैरिफ डील पर विपक्ष फिर मोदी सरकार पर हमलावर है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शनिवार को पीएम मोदी पर समझौता करने का आरोप लगाया। कहा कि उनका विश्वासघात अब उजागर हो चुका है। उन्होंने दावा किया कि पीएम इस व्यापार समझौते में फिर से आत्मसमर्पण कर देंगे।

उधर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि टैरिफ पर अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट के फैसले का इंतजार किए बिना मोदी सरकार ने इतनी जल्दबाजी में

एक ट्रैप डील में शामिल क्यों हुए, जिसने भारत से भारी रियायतें छीन लीं।

ट्रम्प के टैरिफ को अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने रद्द किया

शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के ग्लोबल टैरिफ को अवैध बताते हुए रद्द कर दिया था। सुप्रीम कोर्ट ने 6-3 के बहुमत से फैसला सुनाते हुए कहा कि संविधान के तहत टैक्स और टैरिफ लगाने का अधिकार राष्ट्रपति को नहीं, सिर्फ संसद को है।

दिल्ली में आतंकी हमले का अलर्ट, सुरक्षा बढ़ाई

लाल किला, चांदनी चौक इलाके के धार्मिक स्थान निशाने पर, एजेंसियां सतर्क

नई दिल्ली, एजेंसी।पाकिस्तान स्थित आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा (LeT) भारत की कुछ प्रमुख धार्मिक जगहों पर हमला कर सकता है। खुफिया जानकारी मिलने के बाद दिल्ली के प्रमुख धार्मिक और ऐतिहासिक स्थलों पर सुरक्षा बढ़ा दी गई है।

अधिकारियों के अनुसार सूचना मिली है कि आतंकी संगठन IED (इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस) के जरिए लाल किला और चांदनी चौक के आसपास के इलाके में हमला करा सकता है। खास तौर पर चांदनी चौक इलाके के एक मंदिर पर खतरे की आशंका है।

हालांकि इन सूचनाओं की अभी जांच की जा रही है, लेकिन एहतियात बरती जा रही है।

सीसीटीवी निगरानी बढ़ाई गई

केंद्रीय एजेंसियां और दिल्ली पुलिस मिलकर काम कर रही हैं। सीसीटीवी निगरानी बढ़ा दी गई है, वाहनों की जांच की जा रही है और संवेदनशील स्थानों पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है।

केंद्रीय मंत्री नड्डा ने सोलन में नई वैक्सीन लॉन्च की

▶▶ टीटनेस-डिफ्थीरिया से मिलेगी सुरक्षा, बोले- भारत ड्रग्स-दवाओं और वैक्सीन बनाने में वर्ल्ड लीडर बना

कसौली, एजेंसी। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा ने आज (शनिवार को) हिमाचल प्रदेश के सोलन जिला स्थित केंद्रीय अनुसंधान संस्थान (CRI) कसौली में नई वैक्सीन लांच की।

उन्होंने CRI में टीटनेस और एडल्ट डिफ्थीरिया (Td) वैक्सीन का शुभारंभ किया।इस दौरान जेपी नड्डा ने कहा कि यह स्वदेशी वैक्सीन सीआरआई के प्रयासों से बनी है।यह नई वैक्सीन किशोरों और वयस्कों के साथ साथ गर्भवती महिलाओं को भी टीटनेस और डिफ्थीरिया से सुरक्षा प्रदान करेगी।

Td वैक्सीन, टीटनेस टॉक्सॉइड (TT) वैक्सीन की जगह लेने के लिए डिजाइन की गई है, जिससे डिफ्थीरिया के खिलाफ सुरक्षा भी सुनिश्चित हो सके।

जेपी नड्डा ने कहा कि भारत ने ड्रग्स, दवाओं और वैक्सीन बनाने में वर्ल्ड लीडर के रूप में स्थापित किया है। इसमें सीआरआई कसौली का बहुत बड़ा रोल है।

गुजरात HC बोला-मायके गई पत्नी को थप्पड़ मारना क्रूरता नहीं :अत्याचार साबित करने को मारपीट के ठोस सबूत चाहिए

पति को आरोपों से बरी किया

नई दिल्ली, एजेंसी। गुजरात हाईकोर्ट ने अपने एक फैसले में कहा कि पत्नी के बिना बताए मायके में रात रुकने पर पति द्वारा थप्पड़ मारने की एक घटना को क्रूरता नहीं माना जा सकता। कोर्ट ने एक पुराने मामले में पति को आरोपों से बरी कर दिया।

जस्टिस गीता गोपी ने आदेश में कहा कि क्रूरता साबित करने के लिए लगातार और असहनीय मारपीट के ठोस सबूत जरूरी हैं। आत्महत्या के लिए उकसाने के मामले में यह भी दिखाना होगा कि आरोपी के कृत्य और आत्महत्या के बीच नजदीकी कारण संबंध था। कोर्ट ने कहा कि इस मामले में ऐसा संबंध साबित नहीं हुआ।

अब जानिए क्या है पूरा मामला

यह फैसला दिलीपभाई मंगलाभाई वरली की अपील पर आया। उन्होंने सेशंस कोर्ट के 2003 के फैसले को चुनौती दी थी। सेशंस कोर्ट ने मई 1996 में पत्नी की आत्महत्या के मामले में उन्हें दोषी ठहराते हुए धारा 306 में सात साल और धारा 498ए में एक साल की सजा सुनाई थी।

अपीलकर्ता की ओर से धवल व्यास ने दलील दी कि आरोप सामान्य थे और दहेज मांग या उकसाने का कोई सबूत नहीं है। उन्होंने कहा कि विवाद पति के रात में बैंजो बजाने के लिए बाहर जाने और देर से लौटने को लेकर होता था।

राज्य की ओर से ज्योति भट्ट ने सजा बरकरार रखने की मांग की। हाई कोर्ट ने कहा कि अभियोजन लगातार क्रूरता, मेडिकल रिकॉर्ड या पूर्व शिकायतें पेश नहीं कर सका। कोर्ट ने माना कि ट्रायल कोर्ट ने पर्याप्त सबूत के बिना सजा दी थी।

प. बंगाल में SIR

हर सीट पर औसतन 19000 नाम हटे, टीएमसी बोली- सवा करोड़ बंगाली लाइन में लगे

भाजपा का आरोप- ममता को घोस्ट वोटर्स हटने का डर

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में दो-तीन माह ही बचे हैं। यहां अभी भाषण और रैलियों का शोर नहीं है। लेकिन, सियासत भरपूर गर्म है। कोलकाता के न्यू मार्केट से चांदनी चौक, न्यू टाउन से जेसप बिल्डिंग और मुर्शिदाबाद के बेलडांगा से बर्द्धमान तक करीब 600 किमी के सफर में साफ हो गया कि अभी वोटर लिस्ट ही चुनावी रणभूमि बनी हुई है।

कोलकाता के एक वरिष्ठ पत्रकार कहते हैं कि ममता बनर्जी ने SIR की लड़ाई सुप्रीम कोर्ट ले जाकर अपनी जुझारू छवि फिर हाईलाइट की है।

टीएमसी उनके सुप्रीम कोर्ट के वीडियो वायरल कर रही है। जगह-जगह ममता की काले कोट में होर्डिंग लगे हैं। भाजपा SIR को घुसपैठियों के खिलाफ लड़ाई बता रही थी। पर, 'लॉजिकल डिस्क्रिपेंसी' यानी विसंगति के आधार पर जारी सवा करोड़ बंगाली लाइन में लग गए हैं। हर सीट पर औसतन 19 हजार से ज्यादा नाम हटे हैं।

टीएमसी बोली- 'भाजपा आयोग' ने सवा करोड़ बंगालियों को लाइनों में खड़ा कर दिया: टीएमसी प्रवक्ता कुणाल घोष कहते हैं, भाजपा ने स्ढ्ढक्र से हमारी लड़ाई आसान कर दी। 15 साल की सत्ता की कुछ एंटी-इंकंबेंसी होगी, तो खत्म हो गई। एसआईआर भाजपा के लिए उल्टा तीर हो गया। वे फील्ड में नहीं जा पा रहे। 'भाजपा आयोग' ने सवा करोड़ बंगालियों को लाइनों में लगवा दिया।

भाजपा का आरोप- ममता अपने 'घोस्ट वोटर्स' के नाम कटने से डर में हैं:

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष समिक भट्टाचार्य कहते हैं कि ममता 'घोस्ट' वोटर्स और घुसपैठियों के नाम कटने से डरी हैं। वह इनकी बदौलत जीतती थीं। मैं ऐसे लोगों को जानता हूं, जो कई साल पहले गुजर चुके, लेकिन उनके वोट पड़ते थे। सिर्फ वोटर लिस्ट की सफाई नहीं हो रही, यह ममता के विसर्जन का रास्ता बन रहा है।

एनालिस्ट ने बताया नाम कटने से जीत-हार का गणित:

एक पार्टी के लिए काम कर रहे डेटा एनालिस्ट बताते हैं कि 2021 में पश्चिम बंगाल की 294 विधानसभा सीटों में से 166 पर जीत का अंतर 25 हजार से कम था। इनमें टीएमसी 102 और भाजपा 64 सीट जीती थी। एसआईआर के तहत ड्राफ्ट सूची से प्रति सीट औसतन 19,795 नाम हटे हैं। जहां जीत का अंतर कम था, वहां मतदाता सूची में बदलाव का असर ज्यादा दिख सकता है।

वे यह भी कहते हैं कि टीएमसी 68 सीटें 25,001 से 50,000 के अंतर से जीती थी, जबकि भाजपा को ऐसी 12 ही सीटें मिली थीं। 50 हजार से ज्यादा अंतर से टीएमसी 43 और भाजपा सिर्फ एक सीट जीती थी।

बस-वैन में आमने-सामने की भिड़ंत, 5 की मौत

भिंड में नेशनल हाईवे पर गाड़ी के परखच्चे उड़े; यात्री अंदर ही फंस गए, 6 लोग गंभीर

भिंड, एजेंसी। भिंड में शुक्रवार देर रात बस और वैन आमने-सामने भिड़ गए। हादसे में 5 लोगों की मौत हो गई, जबकि 6 अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हैं। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि वैन पूरी तरह पिचक गई। उसमें सवार लोग अंदर ही फंस गए।

हादसा गोहद चौराहा थाना अंतर्गत छींमका गांव के पास नेशनल हाईवे-719 पर रात 2.30 बजे हुआ। गोहद चौराहा थाना प्रभारी मनीष धाकड़ के अनुसार, ईको वैन ग्वालियर से सवारियों को लेकर भिंड की ओर आ रहा था, जबकि बस भिंड से ग्वालियर की ओर जा रही थी।

हादसे में चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। एक ने अस्पताल ले जाते समय दम तोड़ा। वहीं, घायलों को एम्बुलेंस से ग्वालियर रेफर किया गया। जयारोग्य हॉस्पिटल में उनका इलाज चल रहा है।

नासा ने माना- सुनीता का अंतरिक्ष में फंसना खतरनाक था: इसे कल्पना चावला के साथ हुए हादसे जैसा माना

● घटना को गंभीर कैटेगरी में रखा

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा ने माना कि सुनीता विलियम्स का अंतरिक्ष में फंसना खतरनाक था। नासा ने इस मिशन को दुर्घटना की टाइप ए कैटेगरी में रखा गया है। इसी कैटेगरी को दुर्घटना की सबसे गंभीर कैटेगरी माना जाता है।

चैलेंजर और कोलंबिया शटल दुर्घटनाओं के लिए भी इसी कैटेगरी का इस्तेमाल किया गया था। कोलंबिया शटल दुर्घटना में ही भारत की अंतरिक्ष यात्री कल्पना चावला का निधन हुआ था।

19 फरवरी 2026 को जारी 311 पेज की रिपोर्ट में नासा के प्रशासक जेरेड इसाकमान ने लिखा- सुनीता विलियम्स के मिशन में गंभीर खामियां थी। उन्होंने कमियों को नजरअंदाज करने के लिए एजेंसी और बोइंग की कड़ी आलोचना की।

दरअसल, सुनीता विलियम्स साल 2024 में 8 दिन के मिशन पर अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (ISS) पहुंची थीं, लेकिन तकनीकी कारणों से उनकी वापसी में 9 महीने से ज्यादा समय लग गया था।

जनवरी में सुनीता विलियम्स ने 27 साल बाद रिटायरमेंट लिया

NASA की अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स ने 27 साल के बाद रिटायरमेंट लिया है। उनका रिटायरमेंट 27 दिसंबर 2025 से लागू हुआ। हालांकि NASA ने इसकी घोषणा 20 जनवरी को की थी।

सुनीता 27 साल पहले 1998 में नासा से जुड़ी थीं। उन्होंने NASA के 3 मिशन में हिस्सा लिया। इस दौरान उन्होंने अंतरिक्ष में 608 दिन बिताए। पहली बार वह 9 दिसंबर 2006 में अंतरिक्ष में गई थी।

सुनीता ने अंतरिक्ष में 9 स्पेसवॉक की। इस दौरान उन्होंने 62 घंटे 6 मिनट तक अंतरिक्ष में चहलकदमी की। यह किसी भी महिला अंतरिक्ष यात्री में सबसे ज्यादा है।

तिरुपति लड्डू विवादः मिलावटी घी पर सरकार ने बना दी नई समिति, SIT रिपोर्ट की होगी समीक्षा

तिरुपति, एजेंसी। आंध्र प्रदेश सरकार ने तिरुपति लड्डू में इस्तेमाल होने वाले मिलावटी घी के मामले में एसआईटी की जांच रिपोर्ट की समीक्षा करने के लिए एक समिति बना दी है। आईएएस दिनेश कुमार इस समिति के अध्यक्ष नियुक्त किए गए हैं। आंध्र प्रदेश सरकार ने तिरुपति लड्डू को बनाने में इस्तेमाल घी में कथित मिलावट की जांच करने के लिए गठित सीबीआई की अगुआई वाली एसआईटी द्वारा तैयार रिपोर्ट की समीक्षा करने के लिए शुक्रवार को सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी दिनेश कुमार के नेतृत्व में एक सदस्यीय समिति गठित की जो दोषी लोगों के खिलाफ उचित कार्रवाई की सिफारिश करेगी। सुप्रीम कोर्ट की ओर से नियुक्त केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) नीत विशेष जांच दल (एसआईटी) द्वारा जांच पूरी करने और आरोपपत्र दाखिल करने के बाद इस एक समिति का गठन किया गया है। एसआईटी ने 23 जनवरी को अदालत में अंतिम आरोप पत्र प्रस्तुत किया, साथ ही

सारांश रिपोर्ट भी प्रस्तुत की जिसमें लड्डू में घी के मुद्दे पर दोषी समिति सदस्यों और तिरुमला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) के वरिष्ठ अधिकारियों के खिलाफ उचित कार्रवाई शुरू करने की सिफारिश की गई थी।

मुख्य सचिव के. विजयानंद ने एक सरकारी आदेश में कहा, 'दिनेश कुमार को सारांश रिपोर्ट की समीक्षा करने और घी निविदा शर्तों में छूट और प्रवर्तन में चूक, कमियों और विफलताओं के लिए दोषी टीटीडी के सदस्यों और वरिष्ठ अधिकारियों के खिलाफ उचित कार्रवाई शुरू करने की सिफारिश करने के लिए एक सदस्यीय समिति के रूप में नियुक्त किया गया है।' विजयानंद ने कहा, 'समिति इस आदेश के जारी होने की तारीख से 45 दिनों के भीतर अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करेगी।' उन्होंने कहा कि यह सरकारी आदेश किसी भी अदालत के समक्ष लंबित कार्यवाही पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं डालेगा। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने सितंबर 2024 में दावा किया था कि राज्य में वाईएस जगन मोहन रेड्डी के नेतृत्व वाली पूर्ववर्ती सरकार के दौरान तिरुपति लड्डू (पवित्र प्रसाद) तैयार करने में पशु वसा का इस्तेमाल किया जाता था, जिससे एक बड़ा राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया था।

वेंकटेश्वर स्वामी की तस्वीर पर विधान परिषद में हंगामाः आंध्र प्रदेश विधान परिषद के सभापति कोय्ये मोशन राजू ने शुक्रवार को सदन को कुछ समय के लिए स्थगित कर दिया। वाईएसआरसीपी सदस्यों द्वारा कथित तौर पर श्री वेंकटेश्वर स्वामी की तस्वीरें प्रदर्शित किये जाने को लेकर विपक्षी सदस्यों और सत्ता पक्ष के सदस्यों के बीच हुई तीखी नोकझोंक के बाद सभापति को कुछ समय के लिए सदन की कार्यवाही स्थगित करनी पड़ी। कुम्बा रवि बाबू, डी. माधव राव और एस. मंगम्मा की ओर से तिरुपति लड्डू प्रसादम और इंदापुर डेयरी के मुद्दे पर चर्चा कराए जाने के अनुरोध को सभापति द्वारा खारिज किए जाने के बाद हंगामा शुरू हुआ। यह इंदापुर डेयरी कथित रूप से मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू के परिवार के स्वामित्व वाली कंपनी हेरिटेज फूड्स से जुड़ी बताई गई है, जो तिरुमला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) को घी की आपूर्ति करती है। विपक्षी विधायकों के विरोध प्रदर्शन के बीच राजू ने कहा, अनुरोध को खारिज किये जाने के बाद चर्चा की मांग करना उचित नहीं है। इस बीच, राज्य के वित्त मंत्री पी. केशव ने देवता की प्रतिमाओं के कथित प्रदर्शन को आपत्तिजनक बताया और कहा कि इसकी अनुमति नहीं दी जा सकती। केशव ने पूछा, सभापति महोदय, वेंकटेश्वर स्वामी की तस्वीरों के साथ वे जिस तरह का व्यवहार कर रहे हैं, क्या उनमें कोई गरिमा बची है? क्या वे (भगवान को) राजनीति में घसीटेंगे? इस कदम को भड़काऊ बताते हुए उन्होंने राजू से जिम्मेदारी लेने का आग्रह किया और कहा, ऐसा देश के इतिहास में कभी नहीं हुआ।

72 घंटे के अंदर पुलिस ने हत्याकांड का खुलासा किया

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के रोहिणी में पेट्रोल पंप के पास 16 फरवरी को हुई घटना का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। रोहिणी जिले के अतिरिक्त पुलिस आयुक्त राजीव रंजन ने मामले का खुलासा करते हुए बड़ी जानकारी दी है। बता दें कि बीते सोमवार को शाम 6ऱ्56 बजे बेगमपुर पुलिस स्टेशन को सेक्टर 23, रोहिणी में पेट्रोल पंप के पास जमीन पर सीने में चाकू के घावों से घायल एक व्यक्ति के बेहोश पड़े होने की सूचना मिली थी। जानकारी मिलते ही पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचे और घायल व्यक्ति को एसजीएम अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान अमरनाथ यादव के रूप में हुई थी। जिसको चाकू मारकर मोबाइल फोन लूट लिया गया था। बेगमपुर पुलिस स्टेशन में बीएनएस की धारा 103(1) के तहत एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू की गई।

चिप बाजार में चमकेगा गौतमबुद्ध नगर, उत्तर भारत की पहली सेमीकंडक्टर यूनिट किस जगह

गौतमबुद्ध नगर, एजेंसी। सेमीकंडक्टर निर्माण के क्षेत्र में वर्ष 2026 ऐतिहासिक साल साबित होने जा रहा है। केंद्र सरकार दस परियोजनाओं को मंजूरी दे चुकी है, जिनमें से कई पर काम तेजी से चल रहा है। कुछ संयंत्रों में इस वर्ष चिप निर्माण शुरू होने की उम्मीद है। गौतमबुद्ध नगर सेमीकंडक्टर के क्षेत्र में ऊंची उड़ान भरने को तैयार है। आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत गौतमबुद्ध नगर की यमुना सिटी में उत्तर भारत के पहले सेमीकंडक्टर संयंत्र की नींव रखी जा रही है।

यीडा क्षेत्र में लगने जा रही उत्तर भारत की पहली यूनिट : आत्मनिर्भर भारत के तहत यमुना सिटी (यीडा क्षेत्र) में शनिवार दोपहर करीब तीन बजे उत्तर भारत के पहले सेमीकंडक्टर संयंत्र की नींव रखी जाएगी। यह परियोजना रोजगार, निवेश और अत्याधुनिक तकनीक के नए आयाम खोलेगी। यमुना प्राधिकरण के सेक्टर-28 में उत्तर प्रदेश और केंद्र सरकार की मंजूरी के बाद उत्तर भारत की पहली इकाई स्थापित होने जा रही है।

छठी सेमीकंडक्टर यूनिट के रूप में मंजूरी : एचसीएल और फॉक्सकोन के संयुक्त उपक्रम मैसर्स इंडिया चिप प्राइवेट लिमिटेड को मई 2025 में देश की छठी सेमीकंडक्टर यूनिट के रूप में मंजूरी दी गई थी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पिछले 18 जनवरी को कंपनी को 48 एकड़ भूमि का आवंटन पत्र सौंपा था।

3706.15 करोड़ का निवेश : कंपनी क्षेत्र में 3706.15 करोड़ का निवेश करेगी और 2,40,000 यूनिट स्मॉल पैनल ड्राइवर आईसी, डिस्प्ले इंटीग्रेटेड सर्किट का निर्माण करेगी। इसके लिए रोजाना 19 हजार केवीए बिजली की जरूरत पड़ेगी और करीब 2000 एमएलडी पानी रोजाना इस्तेमाल होगा।

डीडीआईसी और ओसैट सुविधा से लैस पहली यूनिट : यमुना सिटी में भारत की पहली डिस्प्ले ड्राइवर इंटीग्रेटेड सर्किट (डीडीआईसी) और ओसैट (आउटसोर्स्ड सेमीकंडक्टर असेंबली एंड टेस्टिंग) सुविधा से लैस सेमीकंडटर यूनिट लगने जा रही है। डीडीआईसी एक खास प्रकार की चिप होती है जो मोबाइल, टीवी या कंप्यूटर की स्क्रीन को चलाने का काम करती है। यानी स्क्रीन पर तस्वीरें और वीडियो दिखाई देते हैं, उन्हें सही तरीके से दिखाने में यह चिप मदद करती है।

यमुना सिटी में ही होगी चिप की पैकेजिंग : वहीं, ओसैट का मतलब है चिप को जोड़ना, टेस्टिंग और उन्हें उपयोग के लिए तैयार करना। ऐसे में इस सुविधा से यमुना सिटी में ही चिप की उन्नत पैकेजिंग, संयोजन और परीक्षण किया जाएगा।

अनुसंधान और कौशल विकास को बढ़ावा : परियोजना के तहत उत्कृष्टता केंद्र, उन्नत अनुसंधान केंद्र और अत्याधुनिक सिमुलेशन प्रयोगशालाओं की स्थापना की जाएगी, जो सेमीकंडक्टर प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में नवाचार को गति देगी।

इन संस्थानों में चिप डिजाइन, पैकेजिंग तकनीक, परीक्षण मानक और विश्वसनीयता विश्लेषण पर विशेष कार्य होगा। स्थानीय विश्वविद्यालयों और तकनीकी संस्थानों के सहयोग से छात्रों और युवाओं को विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा।

बांग्लादेश में नई संसद पर सवाल, 43 नव-निर्वाचित सांसदों पर हत्या के मुकदमे

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में हाल में संपन्न 13वें राष्ट्रीय संसदीय चुनाव के बाद नई सरकार के गठन से पहले ही उसकी साख पर सवाल उठने लगे हैं। एक प्रमुख नागरिक संगठन की रिपोर्ट के अनुसार, नव-निर्वाचित 43 सांसदों पर हत्या (धारा 302) के मामले दर्ज हैं, जिससे राजनीतिक शुचिता और जवाबदेही को लेकर बहस तेज हो गई है। सुशासनर जनो नागरिक (शुजान) द्वारा जारी आंकड़ों का हवाला देते हुए स्थानीय मीडिया डेली स्टार ने शुक्रवार को बताया कि 42 सांसद पहले से ऐसे मामलों का सामना कर रहे थे, जबकि 12 के खिलाफ पुराने और मौजूदा दोनों तरह के आपराधिक मामले दर्ज हैं।

कितने सांसद कानूनी मामले में घिरे हैं : कुल मिलाकर 142 सांसद वर्तमान में विभिन्न कानूनी मामलों में घिरे हैं और 185 सांसदों का अतीत में मुकदमों से संबंध रहा है। करीब 95 सांसद ऐसे हैं जिन पर पहले भी और अब भी मामले चल रहे हैं। सबसे ज्यादा मौजूदा मामलों का प्रतिशत बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के सांसदों में पाया गया है। हालिया चुनाव में भारी जीत दर्ज करने वाली बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी के सांसदों में 50 प्रतिशत से अधिक पर वर्तमान में मामले लंबित हैं। दूसरे स्थान पर जमात-ए-इस्लामी है, जिसके लगभग 47 प्रतिशत सांसद कानूनी मामलों का सामना कर रहे हैं।शुजान के मुख्य समन्वयक दिलीप कुमार सरकार ने एक कार्यक्रम में नव-निर्वाचित सांसदों के शपथपत्रों के विश्लेषण का ब्योरा पेश किया। रिपोर्ट के अनुसार, 12वें चुनाव की तुलना में इस बार विजेताओं में कानूनी मामलों में संलिप्तता बढ़ी है। साथ ही उच्च शिक्षित सांसदों का अनुपात भी कम हुआ है। 297 निर्वाचित सांसदों में केवल आठ के पास पीएचडी डिग्री है, 138 स्नातकोत्तर, 93 स्नातक, 20 उच्च माध्यमिक और 17 माध्यमिक स्तर तक शिक्षित हैं।

किन पेशों के हैं सांसद : हालांकि चुनाव और जनमत-संग्रह को अधिकांशतः शांतिपूर्ण बताया गया है, लेकिन प्रतिनिधित्व के आंकड़े भी चर्चा में हैं।

क्या पूर्व प्रिंस एंड्रयू की गिरफ्तारी से डगमगाएगी राजशाही? 350 साल पहले हुई थी कुछ ऐसी घटना

न्यू साउथ वेल्स, एजेंसी। ब्रिटेन के शाही परिवार के सदस्य एंड्रयू माउंटबैटन-विंडसर (प्रिंस एंड्रयू) की गिरफ्तारी की खबर ने दुनिया भर में हलचल मचा दी है। यह मामला इसलिए बड़ा माना जा रहा है क्योंकि ब्रिटिश इतिहास में बहुत कम बार ऐसा हुआ है कि किसी शाही सदस्य पर सीधे कानून का शिकंजा कसता दिखा हो।

350 साल पहले हुई थी कुछ ऐसी घटना : इतिहासकार बताते हैं कि लगभग 350 साल पहले, 1649 में राजा चार्ल्स-आइ को गिरफ्तार कर मुकदमा चलाया गया था और बाद में उन्हें फांसी दी गई थी। उस घटना के बाद कुछ समय के लिए ब्रिटेन में राजशाही ही खत्म हो गई थी। इस वजह से अब एंड्रयू की गिरफ्तारी की तुलना उसी ऐतिहासिक घटना से की जा रही है- हालांकि इस बार स्थिति उतनी गंभीर नहीं है।

अब क्यों ज्यादा असर पड़ रहा है : आज का दौर अलग है, पहले मीडिया शाही परिवार के निजी मामलों को छिपाता था। अब सोशल मीडिया और डिजिटल पत्रकारिता के कारण हर बात तुरंत सार्वजनिक हो जाती है। जनता का भरोसा अब छवि और पारदर्शिता पर टिका है। एंड्रयू पहले से ही कई विवादों में रहे थे- जैसे अमीर लोगों से नजदीकी, कैश-फॉर-एक्सेस विवाद और निजी नेटवर्किंग के आरोप शामिल हैं। इसलिए उनकी गिरफ्तारी ने शाही परिवार की छवि को और झटका दिया है।

भारतवंशी नील कात्याल कौन?: जिन्होंने पलट दिया ट्रंप टैरिफ का पूरा खेल, बने ऐतिहासिक फैसले का चेहरा

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा लगाए गए व्यापक वैश्विक टैरिफ को असंवैधानिक करार देकर बड़ा फैसला सुनाया। इस ऐतिहासिक फैसले के केंद्र में एक भारतीय मूल का नाम उभरा, नील कात्याल। नील ने ही अदालत में ट्रंप के उस कदम को चुनौती दी, जिसमें 1977 के इंटरनेशनल इमरजेंसी इकोनॉमिक पावर्स एक्ट यानी आइइइपीए का इस्तेमाल कर लगभग सभी व्यापारिक साझेदार देशों पर टैरिफ लगाए गए थे।

नील कात्याल ने सुप्रीम कोर्ट में दलील दी कि राष्ट्रपति ने आपात आर्थिक शक्तियों का गलत इस्तेमाल किया। उन्होंने कहा कि टैरिफ दरअसल टैक्स होते हैं और टैक्स लगाने का अधिकार केवल अमेरिकी कांग्रेस को है, न कि राष्ट्रपति को। कात्याल ने इन टैरिफ को अन्यायपूर्ण और असंवैधानिक टैक्स बताया। सुप्रीम कोर्ट ने छह-तीन के बहुमत से कहा कि संविधान के तहत टैक्स लगाने की शक्ति कांग्रेस के पास है।

ये कानून के शासन की जीत- कात्याल : फैसले के बाद कात्याल ने कहा कि यह कानून के शासन की जीत है। उनके अनुसार, यह मामला किसी एक राष्ट्रपति के खिलाफ नहीं, बल्कि शक्तियों के संतुलन का है। उन्होंने कहा कि अमेरिका की व्यवस्था यह सुनिश्चित करती है कि कोई भी व्यक्ति, चाहे वह कितना ही शक्तिशाली क्यों न हो, संविधान से ऊपर नहीं हो सकता।

किसने दायर किया था मामलाः यह मामला छोटे अमेरिकी कारोबारियों द्वारा दायर किया गया था, जिन्हें लगा कि टैरिफ से उनका व्यापार प्रभावित हो रहा है। ट्रंप प्रशासन ने टैरिफ को राष्ट्रीय सुरक्षा और आर्थिक दबाव का जरूरी कदम बताया था। लेकिन अदालत ने साफ कहा कि आपात शक्तियों के नाम पर राष्ट्रपति व्यापक टैक्स नहीं लगा सकते।

नील कात्याल के माता-पिता के बारे में जानें : नील कात्याल का जन्म शिकागो में भारतीय प्रवासी माता-पिता के घर हुआ। उनके पिता इंजीनियर और माता डॉक्टर थीं। उन्होंने डार्टमाउथ कॉलेज और येल लॉ स्कूल से पढ़ाई की। वह अमेरिका के कार्यवाहक सॉलिसिटर जनरल रह चुके हैं और सुप्रीम कोर्ट में 50 से अधिक मामलों में पैरवी कर चुके हैं। वह कई बड़े संवैधानिक मामलों में अहम भूमिका निभा चुके हैं।

पहले भी दे चुके ट्रंप को चुनौती : कात्याल वर्तमान में मिलबैंक एलएलपी में साझेदार हैं और जॉर्जटाउन यूनिवर्सिटी लॉ सेंटर में प्रोफेसर हैं। उन्होंने 1965 के वोटिंग राइट्स एक्ट की संवैधानिकता का बचाव किया, ट्रंप के 2017 ट्रैवल बैन को चुनौती दी और कई राष्ट्रीय सुरक्षा मामलों में सरकार का प्रतिनिधित्व किया। वह जॉर्ज फ्लॉयड हत्या मामले में मिनेसोटा राज्य के विशेष अभियोजक भी रह चुके हैं।

कात्याल ने बताई लोकतंत्र की ताकत

सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला भविष्य में किसी भी अमेरिकी राष्ट्रपति की आपात आर्थिक शक्तियों के इस्तेमाल पर सीमा तय करता है। कात्याल ने कहा कि एक प्रवासी परिवार का बेटा अदालत में खड़ा होकर कह सकता है कि राष्ट्रपति कानून तोड़ रहे हैं, और अदालत उसे सुनती है, यही लोकतंत्र की ताकत है। यह फैसला अमेरिकी संविधान और शक्तियों के संतुलन के लिए एक मील का पत्थर माना जा रहा है।

जंग के मैदान में तब्दील हुई पहाड़ियां, छत्तीसगढ़ में दो हजार जवानों ने घेरा माओवादियों का सुरक्षित ठिकाना

जगदलपुर, एजेंसी। माओवादी हिंसा के समूल खात्मे की 31 मार्च 2026 की समय-सीमा से पहले सुरक्षाबल ने छत्तीसगढ़-तेलंगाना सीमा पर स्थित कर्रेगुट्टा पहाड़ी में निर्णायक अभियान शुरू किया है। छत्तीसगढ़ के सुकमा, दंतेवाड़ा व बीजापुर जिलों से आए करीब दो हजार जवानों ने पहाड़ी को पूरी तरह से घेर लिया है। सुरक्षा एजेंसियों का लक्ष्य माओवादियों के शेष नेटवर्क व उनके अंतिम सुरक्षित ठिकानों को पूरी तरह ध्वस्त करना है। खुफिया एजेंसियों के इनपुट के आधार पर कर्रेगुट्टा क्षेत्र में केशा, पापाराव जैसे 100 से अधिक माओवादी हिंसकों की मौजूदगी की बात सामने आई है। इसी आधार पर पहाड़ी की रणनीतिक घेराबंदी कर सर्च और कांबिंग ऑपरेशन चलाया जा रहा है। ड्रोन सर्विलांस, आधुनिक संचार उपकरण व रियल-टाइम मॉनिटरिंग के जरिये हर गतिविधि पर नजर रखी जा रही है। कर्रेगुट्टा पहाड़ी के नीचे पहले से स्थापित स्थायी सुरक्षा कैंप के चलते रसद, चिकित्सा और त्वरित सहायता व्यवस्था इस बार अधिक मजबूत बताई जा रही है। गौरतलब है कि वर्ष 2025 में इसी क्षेत्र में सुरक्षाबल की बड़ी कार्रवाई में 31 माओवादी मारे गए थे व भारी मात्रा में हथियार व विस्फोटक बरामद किए गए थे। सुरक्षा अधिकारियों का मानना है कि मौजूदा अभियान माओवादियों की शेष ताकत को निर्णायक रूप से तोड़ सकता है। गृह मंत्री शाह ने दिए थे सख्त कार्रवाई के संकेतहाल ही में बस्तर दौरे पर आए केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने सक्रिय माओवादी नेटवर्क पर सख्त कार्रवाई के संकेत दिए थे। इसके बाद से ही राज्य के सीमावर्ती पहाड़ियों और जंगलों में अभियान तेज किए गए हैं। बस्तर के आइजी सुंदरराज पी. ने माओवादियों से हिंसा का रास्ता त्यागकर मुख्यधारा में लौटने की अपील की है।

मेरठ जाने वाले सावधान! बंद रहेगा ट्रैफिक, वीवीआईपी मूवमेंट से कई मार्गों में बदलाव

मेरठ , एजेंसी। मेरठ में 22 फरवरी को मोदीपुरम तक नमो भारत के उद्घाटन कार्यक्रम को लेकर वीवीआईपी मूवमेंट को देखते हुए वाहनों का मार्ग परिवर्तित रहेगा। डीसीपी यातायात त्रिगुण बिसेन ने बताया कि 22 फरवरी को मेरठ में विशिष्ट लोगों के प्रस्तावित भ्रमण कार्य क्रम के मद्देनजर व्यापक सुरक्षा और यातायात व्यवस्था लागू की गई है। पड़ोसी जिले की पुलिस से समन्वय स्थापित कर ट्रैफिक संचालन सुचारु रखने के लिए गाजियाबाद पुलिस ने मार्ग परिवर्तन योजना जारी की है। इसके तहत 22 फरवरी को सुबह छह बजे से कार्यक्रम समाप्ति तक गाजियाबाद से मेरठ की ओर जाने वाले विभिन्न प्रमुख मार्गों पर वाहन नहीं जा सकेंगे। भारी वाहनों को वैकल्पिक मार्गों से भेजा जाएगा, जबकि हल्के वाहनों के लिए भी चरणबद्ध तरीके से मार्ग परिवर्तन लागू किया जाएगा। डीसीपी यातायात ने बताया कि आवश्यकता पड़ने पर मार्ग परिवर्तन योजना में बदलाव किया जा सकता है। आमजन से अपील है कि वह असुविधा से बचने के लिए वैकल्पिक मार्गों का प्रयोग करें।

कर्नाटक में मेडिकल छात्र की शर्मनाक करतूत, नकल करते हुए पकड़े जाने पर शिक्षक पर बरसाए घूंस

कलबुर्गी, एजेंसी। कर्नाटक के कलबुर्गी जिले से अनुशासनहीनता का एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां के डॉ. मलाकरेड्डी होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज में आंतरिक परीक्षा के दौरान एक छात्र ने पकड़े जाने पर सहायक प्रोफेसर पर हिंसक हमला कर दिया। होम्योपैथिक मटेरिया मेडिका विषय की परीक्षा के दौरान घटी यह घटना हॉल के सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई। मिली जानकारी के अनुसार, कॉलेज में होम्योपैथिक मटेरिया मेडिका विषय की परीक्षा चल रही थी। परीक्षा हॉल में निरीक्षक की ड्यूटी कर रहे सहायक प्रोफेसर शिवराजकुमार ने शाहबाज नाम के एक छात्र को मोबाइल फोन के जरिए नकल करते हुए रंगे हाथों पकड़ लिया। इस हरकत से भड़के शाहबाज ने हिंसक होकर प्रोफेसर पर हमला कर दिया। हालांकि अन्य छात्रों ने तुरंत हस्तक्षेप करते हुए शाहबाज को रोकने और उसे दूर खींचने की कोशिश की, लेकिन टकराव यहीं खत्म नहीं हुआ। वीडियो में शाहबाज को हॉल के निकास द्वार की ओर जाते हुए दिखाया गया है, लेकिन कुछ ही सेकंड बाद वह वापस आकर प्रोफेसर पर फिर से हमला कर देता है। हमले के बाद, कॉलेज प्रशासन ने शाहबाज के माता-पिता को सूचित किया और उसे भविष्य की सभी परीक्षाओं से प्रतिबंधित करने का तत्काल निर्णय लिया। सीसीटीवी फुटेज से मिले स्पष्ट सबूतों के बावजूद, सहायक प्रोफेसर शिवराजकुमार ने अभी तक कोई पुलिस शिकायत दर्ज नहीं कराई है।

बंगाल के आसनसोल में खूनी तांडव, कलयुगी बेटे ने मां को गोली मारकर घर फूंका

कोलकाता, एजेंसी। आसनसोल दिल्ली बंगाल के पश्चिम बर्द्धमान जिले के आसनसोल में गुरुवार देर रात एक कलियुगी बेटे ने पहले अपनी मां की गोली मारकर हत्या कर दी और फिर घर में आग लगाने के बाद खुद को भी गोली मारकर आत्महत्या कर ली। मृतकों की पहचान 68 वर्षीय संध्या मुखोपाध्याय और उनके 49 वर्षीय बेटे राजा मुखोपाध्याय के रूप में हुई है। घटना को लेकर अप्राकृतिक मौत के दो मामले दर्ज किए गए हैं। आसपास के लोगों ने बताया कि बेटे ने एक दिन पहले अपने पिता दयामय मुखोपाध्याय से भी मारपीट की थी, जिससे आहत होकर वह अपनी बेटी के घर चले गए थे। इस कारण उनकी जान बच गई। घटना की सूचना मिलने के बाद वह शुक्रवार सुबह घर पहुंचे। स्थानीय लोगों के अनुसार, गुरुवार रात उन्होंने घर से गोली चलने की दो आवाजें सुनीं और फिर आग की लपटें देखीं। सूचना पाकर कुल्टी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और दमकल की मदद से आग पर काबू पाया। आग बुझाने के बाद घर के अंदर से मां और बेटे को झुलसी हुई हालत में बरामद किया गया। देर रात पुलिस दोनों को अस्पताल लेकर गई, जहां चिकित्सक ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

पीएम श्री स्कूल जवाहर नवोदय विद्यालय चुरहट में अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस उत्साहपूर्वक मनाया

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जवाहर नवोदय विद्यालय चुरहट के प्राचार्य डॉ. डी.के. त्रिपाठी ने बताया कि विद्यालय में अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस बड़े उत्साह और गरिमा के साथ मनाया गया। कायर्क्रम का मुख्य उद्देश्य भाषाई विविधता, बहुभाषावाद एवं मातृभाषाओं के संरक्षण के महत्व को उजागर करना, सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करना तथा शिक्षा में मातृभाषा की भूमिका को सशक्त बनाना रहा। कार्यर्क्रम की शुरुआत हिंदी शिक्षक सुधीर सरोज द्वारा मातृभाषा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए की गई। उन्होंने बघेली मातृभाषा में कविता प्रस्तुत कर सभी को भावविभोर कर दिया छात्रा धनश्री रहाटे ने लाभले आम्हास भाग्य बोलतो मराठी कविता का सुंदर पाठ कर सभी का मन मोह लिया वहीं छात्र रावेंद्र कुशवाहा ने मातृभाषा विषय पर ओजस्वी भाषण प्रस्तुत किया।

प्राचार्य डॉ. त्रिपाठी ने शिक्षकों एवं छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि यूनेस्को द्वारा घोषित अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस 2026 का मुख्य विषय बहुभाषी शिक्षा पर युवाओं की आवाजहै। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में युवाओं को सोशल मीडिया, एआई टूल्स और डिजिटल आर्काइव के माध्यम से मातृभाषाओं को पुनर्जीवित एवं संरक्षित करने की दिशा में सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए कार्यक्रम में विद्यालय की राजभाषा इकाई के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष एवं सभी सदस्य, समस्त शिक्षकगण, कर्मचारी तथा विद्यार्थी उपस्थित रहे। विद्यालय के दोनों कैप्टन हर्षित द्विवेदी एवं अनुपमा द्विवेदी की भी गरिमामयी उपस्थिति रही अंत में सुधीर सरोज द्वारा सभी उपस्थितजनों के प्रति आभार व्यक्त किया गया।

बाईपास पर बोलेरो की टक्कर से दो युवक घायल: आरोपी ड्राइवर फरार

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। बाईपास पर एक तेज रफ्तार बोलेरो वाहन ने बाइक सवार दो युवकों को टक्कर मार दी हादसे में वे गंभीर रूप से घायल हो गए। टक्कर के बाद बोलेरो ड्राइवर वाहन समेत मौके से फरार हो गया। घटना घटना शनिवार दोपहर तकरीबन 2 बजे की है घायल युवकों की पहचान नेबूहा निवासी आशीष रावत और अजीत रावत के रूप में हुई है। वे बाइक से सीधी की ओर आ रहे थे। उन्हें तत्काल जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज जारी है। जानकारी के अनुसार, दोनों युवक घर के किराने का सामान लेने के लिए सीधी आए थे और वापस लौटते समय बाईपास पर दुर्घटना का शिकार हो गए। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, बोलेरो तेज स्पीड में थी। घायल अजीत रावत ने बताया कि बोलेरो ने अचानक कट मारा, जिससे उनकी बाइक अनियंत्रित होकर सड़क की पटरी के नीचे उतर गई। हादसे में अजीत के सिर में चोट आई है, जबकि उनके साथी आशीष रावत को पैर और हाथ में गंभीर चोटें लगी हैं जिला अस्पताल के डॉक्टरों के अनुसार, दोनों घायलों की स्थिति फिलहाल स्थिर बताई जा रही है और उन्हें निगरानी में रखा गया है। अस्पताल चौकी प्रभारी देवराज सिंह ने बताया कि हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है बोलेरो चालक के फरार होने के कारण अज्ञात वाहन के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है और वाहन की पहचान के प्रयास किए जा रहे हैं।

निगम कमिश्नर बोलीं- महापौर निर्णय लेने में अक्षम, कहा- महापौर पति सुनकर दु:ख होता है बिना पढ़े फाइल साइन नहीं करूंगी

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। नगर निगम में महापौर और कमिश्नर के बीच लंबे समय से चला आ रहा विवाद शुक्रवार को परिषद की बैठक में खुलकर सामने आ गया। बैठक के दौरान दोनों के बीच तीखी नोकझोंक हुई, जिसका वीडियो शनिवार को सामने आने के बाद यह मामला सार्वजनिक हो गया परिषद की बैठक में एजेंडा बिंदुओं पर चर्चा के दौरान महापौर के अधिकारों और फाइलों के निस्तारण को लेकर सवाल उठे यह चर्चा जल्द ही व्यक्तिगत आरोप-प्रत्यारोप में बदल गई, जिससे सदन का माहौल गरमा गया। नगर निगम अध्यक्ष देवेश पांडे ने नियमों की जानकारी देने के लिए कमिश्नर सविता प्रधान से अपनी बात रखने को कहा कमिश्नर सविता प्रधान ने सदन में आरोप लगाया कि महापौर निर्णय लेने में सक्षम नहीं हैं जिसके कारण फाइलें आगे नहीं बढ़ पा रही हैं।

उन्होंने यह भी कहा कि कई बार फाइलें निगम कार्यालय में न रुककर बाहर चली जाती हैं जिससे प्रशासनिक कामकाज प्रभावित होता है कमिश्नर सविता प्रधान के इस बयान के बाद सदन में गहमागहमी बढ़ गई। उन्होंने महिलाओं के आरक्षण का जिक्र करते हुए कहा कि जब संविधान ने महिलाओं को 50 प्रतिशत आरक्षण दिया है, तो उन्हें निर्णय लेने की जिम्मेदारी भी उठानी चाहिए उन्होंने सदन में मौजूद महिला पार्षदों से अपने अधिकारों का सही तरीके से उपयोग करने का आग्रह किया कमिश्नर ने आगे कहा कि नगर निगम में 25 महिला पार्षद हैं, लेकिन उन्होंने कई महिला पार्षदों को परिषद की बैठकों में पहली बार देखा।

तीन दिन तक फाइल रखने का अधिकार कमिश्नर के बयान के दौरान ही सिंगरौली नगर निगम की महापौर रानी अग्रवाल अपनी सीट से खड़ी हो गईं और उन्होंने पलटवार करते हुए कहा कि फाइलें तीन दिनों तक अपने पास रखना उनका अधिकार है उन्होंने कहा कि डी-1 बंगला उनका घर नहीं बल्कि कार्यालय है और वहां फाइलें ले जाकर पढ़ना और समझना उनका विशेषाधिकार है महापौर ने यह भी कहा कि बिना पढ़े और समझे किसी भी फाइल पर हस्ताक्षर करना उनके लिए संभव नहीं है महापौर रानी अग्रवाल ने सदन में कहा कि यदि किसी फाइल में भ्रष्टाचार की आशंका होती है तो उसे रोकना उनकी जिम्मेदारी है उन्होंने कहा कि अधिकारी भी फाइलें अपने साथ ले जाते हैं ऐसे में महापौर द्वारा फाइल ले जाने पर सवाल उठाना गलत है इस बयान के बाद सदन में शोर-शराबा शुरू हो गया और दोनों पक्षों के बीच बहस तेज हो गई। हालात बिगड़ते देख नगर निगम अध्यक्ष देवेश पांडे ने हस्तक्षेप किया और सभी को मूल विषय पर लौटने की अपील की।

अध्यक्ष की समझाइश के बाद मामला कुछ देर में शांत हुआ और बैठक आगे बढ़ी 'पार्षद पति' या 'महापौर पति' जैसे शब्द सुनकर दुख होता उन्होंने कहा कि महिलाओं को जो अधिकार मिले हैं, उनका सही उपयोग होना चाहिए। निर्णय लेने की क्षमता महिला पार्षदों और महापौर दोनों में होनी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें 'पार्षद पति' या 'महापौर पति' जैसे शब्द सुनकर दुख होता है और यह सोच बदलनी चाहिए। नगर निगम अध्यक्ष देवेश पांडे ने इस विवाद पर कहा कि कमिश्नर द्वारा कही गई बातों में नियमों का हवाला दिया गया है।

बाइक सवार को बचाने में कैप्सूल वाहन पुल से गिरा :हादसे में दोनों चालकर सुरक्षित

मीडिया ऑडीटर,सिंगरौली (निप्र)। बधोरा चौकी क्षेत्र के खोंखरी गांव में शनिवार को सड़क हादसा हुआ। बाइक सवार को बचाने के प्रयास में एक कैप्सूल वाहन अनियंत्रित होकर पुल से नीचे गिर गया। घटना में बाइक सवार और कैप्सूल वाहन का चालक दोनों सुरक्षित बच गए जानकारी के अनुसार, कैप्सूल वाहन बंधौरा की ओर जा रहा था। तभी सामने से एक बाइक आ गई। बाइक सवार को बचाने के लिए कैप्सूल चालक ने वाहन को मोड़ा, जिससे उसका संतुलन बिगड़ गया। वाहन पुल की रेलिंग तोड़ते हुए नीचे जा गिराबाइक सवार को बचाने की कोशिश में कैप्सूल वाहन रेलिंग तोड़ते हुए नीचे गिरा। हादसे की सूचना मिलते ही बधोरा चौकी पुलिस मौके पर पहुंची और कैप्सूल चालक को सुरक्षित बाहर निकाला। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि चालक की सतर्कता से बाइक सवार की जान बच गई बधोरा चौकी प्रभारी बीएल बंसल ने बताया, खोंखरी गांव के पास पुल पर कैप्सूल वाहन के दुर्घटनाग्रस्त होने की सूचना मिली थी। जांच में सामने आया है कि बाइक सवार को बचाने के प्रयास में वाहन अनियंत्रित होकर पुल से नीचे गिर गया।

ट्रक की टक्कर से युवक की मौत :बाइक सवार साथी गंभीर

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। जिले के चितरंगी थाना क्षेत्र में बुकुरु नाला के पास मुख्य सड़क पर एक मालवाहक ट्रक ने बाइक सवार दो युवकों को टक्कर मार दी इस हादसे में कमलेश साकेत की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उनका साथी गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना शनिवार शाम तकरीबन 4 बजे की है जानकारी के अनुसार, ग्राम बरवानी निवासी कमलेश साकेत अपने साथी के साथ खोड़वा मेला देखकर बाइक से घर लौट रहे थे। बुकुरु नाला के पास, सामने से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक ने उन्हें टक्कर मार दी। टक्कर के बाद दोनों सड़क पर गिर गए और बाइक भी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई घायलों को तुरंत चितरंगी अस्पताल में भर्ती कराया गया। मृतक के शव को पीएम के लिए भेज दिया गया। चितरंगी थाना प्रभारी सुदेश तिवारी ने बताया कि ट्रक ड्राइवर वाहन छोड़कर फरार हो गया है। पुलिस ने ट्रक को जब्त कर लिया है। चालक की तलाश जारी है। पुलिस हादसे के कारणों की छानबीन कर रही है और यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि ट्रक चालक ने किस वजह से बाइक सवार युवकों को टक्कर मारी।

वनाधिकार अधिनियम के प्रभावी क्रियान्वयन पर जिला स्तरीय कार्यशाला

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। मध्यप्रदेश शासन जनजातीय कार्य विभाग के आदेश-निर्देशों के तहत वनाधिकार अधिनियम 2006 के अंतर्गत वन संसाधनों के संरक्षण, संवर्धन एवं अधिनियम के प्रभावी क्रियान्वयन के उद्देश्य से 2 दिवसीय जिला स्तरीय मास्टर ट्रेनर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन कलेक्ट्रेट सभागार सीधी में किया गया प्रशिक्षण कार्यक्रम में शासन के निर्देशानुसार शासकीय अधिकारी-कर्मचारी, अशासकीय सदस्य एवं जनप्रतिनिधियों की सहभागिता सुनिश्चित की गई कायर्क्रम के दौरान जिला पंचायत के अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी धनंजय मिश्रा, सहायक संचालक दीपक

निगम, एसडीओ वन विभाग, समस्त जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारी, नायब तहसीलदार, जनजातीय कार्य विभाग के मंडल संयोजक सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे प्रशिक्षण सत्र में मास्टर ट्रेनर कमल किशोर आर्मो एवं शोबेंद्र कुमार सिंह द्वारा वनाधिकार अधिनियम 2006 के प्रावधानों, सामुदायिक वन संसाधन प्रबंधन, अधिकारों के संरक्षण तथा जमीनी स्तर पर प्रभावी क्रियान्वयन से संबंधित विस्तृत जानकारी प्रदान की गई कार्यक्रम के माध्यम से अधिकारियों एवं संबंधित प्रतिनिधियों को अधिनियम के प्रति जागरूक करते हुए वन संसाधनों के संरक्षण एवं सामुदायिक भागीदारी को सुदृढ़ बनाने पर विशेष जोर दिया गया।

चौकी के सामने शव रखकर परिजनों का प्रदर्शन, युवक की मौत पर आरोपी की गिरफ्तारी और मुआवजे की मांग

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। खुटार चौकी क्षेत्र में गुरुवार शाम सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई। घटना के विरोध में शुक्रवार सुबह परिजनों और ग्रामीणों ने खुटार चौकी के सामने शव रखकर प्रदर्शन किया उन्होंने परसौना-रजमिलान मुख्य मार्ग पर चक्काजाम कर दिया, जिससे करीब दो घंटे तक यातायात बाधित रहा मृतक की पहचान शिव कुमार (31) केवट के रूप में हुई है, जो पडरी खूटा टोला माड़ा निवासी जयराम केवट के पुत्र थे। परिजनों ने बताया कि शिव कुमार गुरुवार शाम पुताई का काम खत्म कर बाइक से घर लौट रहे थे। खुटार चौकी के पास करहिया टोला चौराहे पर एक अज्ञात वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी इस टक्कर में युवक की मौके पर ही मौत हो गई, और वाहन चालक फरार हो गया पोस्टमार्टम के बाद शुक्रवार सुबह परिजनों और ग्रामीणों ने शव को खुटार चौकी के सामने रखकर धरना दिया। प्रदर्शनकारियों ने अज्ञात वाहन चालक की तत्काल गिरफ्तारी और पीड़ित परिवार को उचित मुआवजा देने की मांग की। उन्होंने प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी भी की स्थिति की गंभीरता को देखते हुए तहसीलदार और पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे। नगर पुलिस अधीक्षक उमेश प्रजापति ने सीसीटीवी फुटेज खंगालने, विशेष टीम गठित कर वाहन की पहचान करने और त्वरित कार्रवाई का आश्वासन दिया उन्होंने पीड़ित परिवार को तत्काल 10 हजार रुपए की अंत्येष्टि सहायता और संबल योजना के तहत सहायता दिलाने का भी आश्वासन दिया।

पार्षदों को मोबाइल खर्च के लिए 500 रुपए मिलेंगे, गोशाला संचालन-जर्जर शॉपिंग प्लाजा समेत 9 मुद्दों पर चर्चा

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। नगर निगम परिषद की बैठक शुक्रवार को दोबारा शुरू हुई इसमें 9 मुद्दों पर चर्चा हुई और पार्षदों और कर्मचारियों को मोबाइल फोन खर्च के लिए ?500 प्रतिमाह देने का प्रस्ताव भी पारित हुआ इस बैठक की शुरुआत महापौर रानी अग्रवाल और कमिश्नर सविता प्रधान के बीच एजेंडा में विषय जोड़ने के अधिकार को लेकर बहस हुई। इस मामले में नगर निगम अधिकारियों ने नगर निगम अधिनियम को कई बार सदन में पढ़कर सुनाया, लेकिन महापौर ने इसे मानने से इनकार कर दिया जिससे अधिकारियों और महापौर के बीच विवाद हुआ इस वजह से लगभग दो घंटे तक सदन की कार्यवाही बाधित रही। दोपहर 2 बजे

विवाद शांत होने के बाद परिषद में एजेंडा में शामिल मुद्दों पर चर्चा शुरू हुई इनमें गोशाला के संचालन का प्रस्ताव, जर्जर हो चुके शॉपिंग प्लाजा की मरम्मत या ढहाना, और नवजीवन विहार क्षेत्र में बने शॉपिंग कॉम्प्लेक्स की दुकानों के आवंटन जैसे कुल नौ मुद्दों पर चर्चा की गई।

पार्षदों को मोबाइल फोन खर्च के लिए 500 रुपए मिलेंगे: इसके अलावा, सभी सदस्यों ने एकमत होकर निगम के पार्षदों, अधिकारियों और कर्मचारियों को मोबाइल फोन खर्च के लिए 500 प्रतिमाह देने का प्रस्ताव भी पारित किया। परिषद की बैठक गुरुवार को शुरू हुई थी, लेकिन पहले दिन भाजपा और कांग्रेस दोनों दलों के पार्षदों के वॉकआउट के बाद इसे स्थगित करना पड़ा था।

जुआ खेलते 7 जुआरी गिरफ्तार, नकदी जब्त; पुलिस ने ताश की गड्डी भी बरामद की

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। पुलिस ने सिंगरौली जिले के बैढ़न थाना क्षेत्र में जुआ खेलते हुए सात लोगों को गिरफ्तार किया है। शुक्रवार को हुई इस कार्रवाई में पुलिस ने आरोपियों के पास से 30,900 रुपए नकद जब्त किए पुलिस को सूचना मिली थी कि बैढ़न के बिलौजी स्थित सब्जी मंडी क्षेत्र में कुछ लोग ताश के पत्तों पर हार-जीत की बाजी लगाकर जुआ खेल रहे हैं। इस सूचना पर पुलिस टीम ने तत्काल मौके पर दबिश दी दबिश के दौरान पुलिस ने सात आरोपियों को रंगे हाथ जुआ खेलते पकड़ा। गिरफ्तार किए गए लोगों में सोनू केशरवानी, कामाख्या शाह, मिश्रीलाल शाह, जयप्रकाश मोहम्मद, ओमप्रकाश जायसवाल, पवन कुमार शाह और ओमप्रकाश शाह शामिल हैं। पुलिस ने मौके से ताश की गड्डी और 30,900 रुपए नकद जब्त किए पुलिस के अनुसार, सभी आरोपियों के खिलाफ जुआ अधिनियम की धारा 13 के तहत मामला दर्ज किया गया है। उन्हें गिरफ्तार कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है पुलिस प्रशासन ने बताया कि जिले में अवैध गतिविधियों के खिलाफ लगातार अभियान जारी रहेगा।

मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन, तीनों विधानसभा क्षेत्रों में 10,966 मतदाता बढ़े; कुल संख्या 6.63 लाख

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। जिले में मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन कर दिया गया है। प्रभारी कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी जगदीश गोमे की अध्यक्षता में शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिला स्तरीय स्टैंडिंग कमेटी की बैठक हुई, जिसमें मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की मौजूदगी में यह सूची जारी की गई जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि 21 फरवरी 2026 को जारी अंतिम सूची के अनुसार, जिले में कुल मतदाताओं की संख्या 6 लाख 63 हजार 761 हो गई है।

इनमें 3 लाख 48 हजार

872 पुरुष, 3 लाख 14 हजार 855 महिला और 4 अन्य मतदाता शामिल हैं प्रारूप प्रकाशन (23 दिसंबर 2025) के समय जिले में मतदाताओं की संख्या 6 लाख 52 हजार 795 थी। इस तरह, अंतिम प्रकाशन में कुल 10 हजार 966 मतदाताओं की वृद्धि दर्ज की गई है विधानसभा क्षेत्र 79 में मतदाताओं की संख्या 2 लाख 34 हजार 745 से बढ़कर 2 लाख 39 हजार 152 हो गई है, जिसमें 4 हजार 407 मतदाताओं की वृद्धि हुई।

1.9 लाख से ज्यादा वोटर: इसी तरह, विधानसभा क्षेत्र 80 में मतदाताओं की संख्या 1 लाख 87 हजार 297 से बढ़कर 1 लाख 90 हजार 413 हो गई है, यानी यहां 3 हजार 116 मतदाता बढ़े हैं। विधानसभा क्षेत्र 81 देवसर में भी मतदाताओं की संख्या में वृद्धि हुई है। प्रारूप प्रकाशन के समय 2 लाख 30 हजार 753 मतदाता थे, जो अंतिम प्रकाशन में 2 लाख 34 हजार 196 हो गए। देवसर विधानसभा में 3 हजार 443 नए मतदाता जुड़े हैं जिले में मतदान केंद्रों की संख्या भी बढ़ी है प्रारूप प्रकाशन के दौरान कुल 818 मतदान केंद्र थे, जो अंतिम प्रकाशन में बढ़कर 911 हो गए हैं। बैठक के दौरान मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को मतदाता सूची की प्रतियां भी सौंपी गईं। इस बैठक में एसडीएम सुरेश जाधव, तहसीलदार सविता यादव सहित अन्य अधिकारी और कई राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

रोजंदारी का संकट: लालच, अविश्वास और अधूरे भुगतान के बीच पिसता निर्माण क्षेत्र

संपादकीय

प्रदेश में तेज़ी से बढ़ते निर्माण कार्यों और विकास योजनाओं के बीच रोजंदारी पर काम करने वाले मजदूरों और मालिकों के रिश्तों में खटास बढ़ती जा रही है। कभी भरोसे और आपसी समझ पर टिके इस संबंध में अब संदेह विवाद और आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू हो चुका है। हालात ऐसे बनते जा रहे हैं कि भवन निर्माण कराना पहले से कहीं अधिक कठिन और जोखिम भरा महसूस होने लगा है निर्माण क्षेत्र से जुड़े लोगों का कहना है कि कई मामलों में मजदूर अधिक कमाई के लालच में काम के बीच में ही एडवांस राशि लेकर गायब हो जाते हैं। कुछ घटनाओं में तो कार्यस्थल से निर्माण सामग्री या औजार चोरी कर फरार होने की शिकायतें भी सामने आई हैं। इससे न केवल काम रुक जाता है बल्कि आर्थिक नुकसान भी उठाना पड़ता है। ठेकेदारों का आरोप है कि एक-दो लोगों की इस तरह की हरकतों ने पूरे रोजंदारी वर्ग की छवि को धूमिल कर दिया है। लेकिन तस्वीर का दूसरा पहलू भी उतना ही गंभीर है। मजदूरों का कहना है कि कई जगह उनसे तय समय से अधिक काम लिया जाता है पर मजदूरी समय पर नहीं दी जाती। भुगतान में कटौती बहानेबाजी या अनावश्यक देरी आम शिकायत बन चुकी है। कुछ मामलों में काम पूरा होने के बाद भी पैसे अटकाए जाते हैं। ऐसे में मजदूरों के भीतर असुरक्षा और असंतोष की भावना बढ़ती है। यही परिस्थितियां कई बार उन्हें अचानक काम छोड़ने या दूसरे स्थान पर जाने के लिए मजबूर कर देती हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि रोजंदारी व्यवस्था की सबसे बड़ी कमजोरी इसका अनौपचारिक ढांचा है। अधिकतर काम मौखिक सहमति पर आधारित होते हैं। न कोई लिखित अनुबंध न स्पष्ट शर्तें और न ही भुगतान की पारदर्शी व्यवस्था। विवाद की स्थिति में दोनों पक्षों के पास ठोस प्रमाण का अभाव रहता है। यही कारण है कि छोटी-छोटी बातें बड़े विवाद का रूप ले लेती हैं। ईमानदारी से काम करने वाले मजदूर भी इस अविश्वास के माहौल में संदेह की दृष्टि से देखे जाने लगे हैं। मालिक पहले से अधिक सतर्क हो गए हैं। कई जगह मजदूरों से पहचान पत्र स्थानीय सिफारिश या सुरक्षा राशि तक मांगी जाने लगी है। इससे श्रमिकों में असहजता बढ़ रही है। निर्माण क्षेत्र के जानकारों का सुझाव है कि अब समय आ गया है जब रोजंदारी कार्यों को भी व्यवस्थित ढांचे में लाया जाए। लिखित अनुबंध एडवांस और अंतिम भुगतान की स्पष्ट शर्तें कार्य अवधि का निर्धारण और दोनों पक्षों की जिम्मेदारी तय की जानी चाहिए। साथ ही श्रमिकों के लिए भी पंजीकरण और पहचान की औपचारिक व्यवस्था होनी चाहिए जिससे भरोसा कायम किया जा सके। विकास की इमारत सिर्फ ईंट और सीमेंट से नहीं बल्कि विश्वास की नींव पर खड़ी होती है। यदि मजदूर और मालिक के बीच भरोसा कमजोर पड़ता है तो उसका सीधा असर निर्माण कार्यों और विकास की रफ्तार पर पड़ता है। जरूरत है संतुलन पारदर्शिता और आपसी सम्मान की तभी रोजंदारी व्यवस्था में फैला यह संकट दूर हो सकेगा और निर्माण क्षेत्र दोबारा मजबूती के साथ आगे बढ़ पाएगा।

जहाँ हुए बलिदान मुखर्जी वह कश्मीर हमारा है और सारा का सारा है

डॉ. प्रवीण दाताराम गुगनानी

(कश्मीर संकल्प दिवस 22 फरवरी)

भारतीय संसद का 'कश्मीर संकल्प 22 फरवरी 1994' शुभ है, सत्य है, स्तुत्य है, पर सिद्ध नहीं हो पाया है। यह दुखद है। दो निर्विवाद सत्य हैं - पहला - कश्मीर हमारे राष्ट्र का मुकुटमणि है, दूजा - हमारा यह मुकुटमणि वर्तमान में ग्रहण में है। कश्मीर की वर्तमान स्थिति को लेकर हमारा समूचा भारत राष्ट्र चिंतित रहा है। इस राष्ट्रीय चिंता का ही प्रकटीकरण था 22 फरवरी 1994 को पूर्व प्रधानमंत्री की नरसिंहराव सरकार द्वारा संसद में पारित 'कश्मीर संकल्प'। इस संकल्प में भारत का राजनीतिक पक्ष-विपक्ष, समस्त नागरिकों का मानस सम्मिलित था। यह संकल्प राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की चिंता, भावना व विचार से प्रेरित था। संसद में पारित इस प्रस्ताव में यह संकल्प किया गया था कि - 'पाकिस्तान के कब्जे वाला POJK जम्मू कश्मीर और भारत का अभिन्न अंग था, है और सदैव रहेगा। पाकिस्तान ने 1947-48 के बाद से ही भारत के इस बड़े भूभाग पर कब्जा कर रखा है। इस प्रस्ताव के जरिये यह संकल्प लिया गया था कि पाकिस्तान के अवैध कब्जे में लद्दाख और जम्मू कश्मीर की जो हमारी भूमि है उसे हम हर स्थिति में वापस लेंगे।

यह संकल्प दिवस POJK, POTL के साथ COTL की मुक्ति का संकल्प दिवस भी है। वस्तुतः जम्मू-कश्मीर और लद्दाख का कुल क्षेत्रफल लगभग 2,22,236 वर्ग किमी है। इसमें से POJK यानि पाकिस्तान अधिक्रांत जम्मू कश्मीर का क्षेत्रफल 13,297 वर्ग किमी है। POJK में जम्मू-कश्मीर क्षेत्र के मीरपुर-मुजफ्फराबाद, भीम्बर, कोटली जैसे नगर सम्मिलित हैं, जो कभी हिन्दू बहुल हुआ करते थे। जबकि POTL अर्थात (पाकिस्तान अधिक्रांत क्षेत्र लद्दाख) में गिलगित और बाल्टिस्तान सम्मिलित हैं। यह क्षेत्र खनिज संपदा से लबालब है। POTL का कुल क्षेत्रफल लगभग 64817 वर्ग किमी है। PoJK और POTL मूल रूप से जम्मू कश्मीर का ही एक भाग है, जिसकी सीमाएं पाकिस्तान के पंजाब, उत्तर-पश्चिम, अफगानिस्तान के वखान गलियारे, चीन के शिनजियांग क्षेत्र और लद्दाख के पूर्व क्षेत्र से होकर गुजरती हैं। गिलगित-बाल्टिस्तान (क्ह्ज्रु) में 1480 सोने की खदानें हैं, जिनमें से 123 में अयस्क है, जहाँ सोने की मात्रा दक्षिण अफ्रीका की विश्व प्रसिद्ध खदानों से कई गुना अधिक है। चीन अधिक्रांत लद्दाख क्षेत्र अर्थात छ्ह्ज्रु का संभावित एरिया 37 हजार वर्ग किमी है और इसमें 5,180 किमी शक्सगाम का एरिया पाकिस्तान ने 1963 में Sino-Pak एग्रीमेंट के तहत दे दिया था। यानि चीन के कब्जे में कुल क्षेत्रफल 42,735 वर्ग किलोमीटर है। COTL में सिर्फ अक्साई चीन नहीं बल्कि ट्रांस काराकोरम ट्रैक्ट और मिंसर भी शामिल है। यहाँ से मुख्यतः कई नदियाँ निकलती हैं। जैसे गलवान नदी, चिपचैप नदी और कार्स जैसी आदि-आदि नदियाँ निकलती हैं। लेकिन इनमें कार्कस नदी सबसे बड़ी नदी है, जो कि उत्तर की ओर जाती है और इसे ब्लैक जेड रिवर कहते हैं। भारत का यह महत्वपूर्ण भाग आज चीन के नियंत्रण में है।

वस्तुतः 1947 में देश के विभाजन के कुछ महीनों बाद ही पाकिस्तानी सेना ने 22 अक्टूबर 1947 को जम्मू-कश्मीर पर आक्रमण कर दिया था। इस आक्रमण में पाकिस्तानी सैनिकों ने हजारों की संख्या में निर्दोष हिंदूओं (प्रमुखतः सिक्ख समुदाय) का जघन्य नरसंहार किया था और प्राचीन मंदिरों, गुरुद्वारों आदि हिंदू स्थलों का विध्वंस किया था। बाद में इन हिंदुओं के अपमान के उद्देश्य से इन कब्जाए गए धार्मिक स्थलों का अपमानजनक प्रयोग भी किया गया था। इन घटनाओं के बाद बड़ी संख्या में हिंदू बंधु अपने कश्मीर से पलायन को विवश हो गये थे। विगत लगभग आठ दशकों से POJK स्थित हमारे ऐतिहासिक मंदिरों, गुरुद्वारों और बौद्ध मठों को पाकिस्तानी आतताइयों ने चुन-चुन कर विध्वंस करने का काम किया है। PoJK पर पाकिस्तान का 76 वर्षों से अवैध नियंत्रण है। आज समूचे भारत राष्ट्र सहित, PoJK के विस्थापितों की यह मांग है कि पाकिस्तान के अवैध कब्जे में जो हमारा कश्मीर है उसे वापस लिया जाए और PoJK विस्थापितों को उनका अधिकार लौटाया जाए। पूर्व प्रधानमंत्री पी.वी नरसिम्हा राव का कार्यकाल जम्मू-कश्मीर के लिए अनेक उतार-चढ़ाव वाला था। एक तरफ कश्मीर घाटी से हिन्दुओं का नरसंहार और निष्कासन लगातार जारी था। वहीं दूसरी ओर पाकिस्तान अधिक्रांत जम्मू-कश्मीर (पीओजेके) में भारत के विरुद्ध आतंकवादियों का प्रशिक्षण भी हो रहा था।

उस कालखंड में पाकिस्तान के दो तत्कालीन प्रधानमंत्री बेनजीर भुट्टो (वर्ष 1990) एवं नवाज शरीफ (वर्ष 1991-93) ने क्ह्छ्य में सतत आना जाना बढ़ा दिया था। लक्ष्य स्पष्ट था, इन क्षेत्रों में बसे मुट्ठी भर हिंदुओं का भी सफ़ाया। बेनजीर भुट्टो ने 13 मार्च, 1990 में मुज़फ्फराबाद की एक सभा में भारत के खिलाफ आतंकवादी गतिविधियों का सार्वजनिक समर्थन किया। इसके बाद नवाज शरीफ ने भी पीओजेके से 'कश्मीर बनेगा पाकिस्तान' जैसे युद्धक नारे लगाने शुरू कर दिए। संघ परिवार इस विषय से अत्यंत चिंतित हुआ। संघ ने तत्काल ही देश भर में इस विषय में हस्तक्षेप करने का वातावरण बनाया था। केंद्र सरकार पर दबाव भी बनाया था। प्रधानमंत्री नरसिंहराव भी इस संदर्भ में संवेदनशील थे। नरसिंहराव जी के विचार इस संदर्भ में संघ से साम्य रखते थे।

स्थिति को देखते हुए ही उन्होंने इस संदर्भ में पहला कदम 22 फरवरी, 1994 को उठाया। उस दिन संसद ने क्ष्छ्य पर एक संकल्प पारित किया था। संसद में सर्वसम्मति से इस प्रस्ताव के संदर्भ में बलपूर्वक कहा गया कि पाकिस्तान को (अविभाजित) जम्मू-कश्मीर के कब्जे वाले इलाकों को खाली करना होगा जिसपर पाकिस्तान ने अवैध कब्ज़ा कर रखा है।

लगभग एक वर्ष पश्चात् केंद्र सरकार ने क्ह्छ्य को लेकर दूसरा कदम उठाया था। वर्ष 1995 में पाकिस्तान अधिक्रांत जम्मू कश्मीर और उत्तरी इलाकों यानि क्ह्ज्रु (गिलगित-बल्तिस्तान) पर विदेश मंत्रालय की स्टैंडिंग कमेटी ने संसद में एक रिपोर्ट पेश की। भाजपा के पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न दिवंगत श्री अटल बिहारी वाजपेयी इसकी अध्यक्षता कर रहे थे। इस सर्वदलीय कमेटी में लोकसभा और राज्यसभा से 45 सदस्यों को शामिल किया गया था, जिन्होंने दोहराया कि पूरा जम्मू-कश्मीर भारत का अभिन्न हिस्सा है।

साथ ही इस समिति ने सुझाव दिया कि पीओजेके और गिलगित-बल्तिस्तान में मानवाधिकारों के हनन पर अंतरराष्ट्रीय समुदाय के समक्ष स्वर उठाए जाने चाहिए। यह दोनों अभूतपूर्व कदम थे। वस्तुतः यह कदम वर्षों पूर्व ही उठा लिए जाने चाहिए थे। खेद का विषय है कि तीन दशक पुराना यह 'कश्मीर संकल्प' अब भी अधूरा है।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

रॉबर्ट बैडेन-पावेल की प्रेरणा से सेवा और नेतृत्व का संदेश: स्काउट संस्थापक दिवस

सुनील कुमार महला /

इस दिन स्काउट और गाइड अपने नियम और प्रतिज्ञा(स्काउट प्रॉमिस)को दोहराते हैं तथा करोड़ों स्काउट यूनिफॉर्म पहनकर समाज सेवा के कार्य करते हैं। दूसरे शब्दों में कहें तो इस दिन स्काउट और गाइड्स द्वारा सामुदायिक सेवा, रक्तदान, धन जुटाने, ध्वजारोहण और रैलियां आयोजित की जाती हैं। इस दिवस का महत्व यह है कि यह दिवस स्काउटिंग के उन मूल्यों (अनुशासन, देशभक्ति, सेवा) को पुनर्जीवित करता है, जो युवाओं को भविष्य की चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार करते हैं। यदि हम यहां पर स्काउटिंग,जिसे शांति और भाईचारे का उत्सव भी कहा जाता है, के इतिहास पर नजर डालें तो उपलब्ध जानकारी के अनुसार स्काउटिंग की शुरुआत एक प्रयोगात्मक कैंप से हुई थी। दरअसल, लॉर्ड बेडन पॉवेल ने इंग्लैंड के ब्राउंसी द्वीप पर वर्ष 1907 में पहला कैंप लगाया था। गौरतलब है कि स्काउटिंग की शुरुआत किसी खेल या शौक के रूप में नहीं हुई थी। बैडेन-पॉवेल ने अपने सैन्य अनुभवों से प्रेरणा लेकर युवाओं में चरित्र निर्माण और आत्मनिर्भरता बढ़ाने के लिए यह आंदोलन शुरू किया था। पाठकों को बताता चलूं कि स्काउट सैल्यूट के पीछे भी एक अर्थ है। दरअसल,तीन उंगलियों वाला स्काउट सलाम तीन मूल सिद्धांतों क्रमशः ईश्वर और देश के प्रति कर्तव्य, दूसरों की मदद तथा स्काउट नियमों के पालन का प्रतीक है। उल्लेखनीय है कि दुनिया भर के स्काउट्स एक-दूसरे से बाएं हाथ (लेफ्ट हैंड) से हाथ मिलाते हैं। इसके पीछे का तर्क यह है कि बायां हाथ दिल के करीब होता है और यह गहरी मित्रता और विश्वास का प्रतीक है। इसके अलावा, युद्ध के समय योद्धा अपना बचाव करने वाली ढाल (शील्ड) बाएं हाथ में रखते थे; बाएं हाथ से हाथ मिलाने का मतलब था ढाल को नीचे रखना, जो सामने वाले पर पूर्ण विश्वास को दर्शाता है। पाठकों को यह जानकर आश्चर्य होगा कि चंद्रमा पर कदम रखने वाले पहले व्यक्ति नील आर्मस्ट्रांग एक ईगल स्काउट थे। वे अपने साथ चंद्रमा पर स्काउटिंग का बैज भी ले गए थे। रिकॉर्ड के अनुसार, चंद्रमा पर जाने वाले 12 अंतरिक्ष यात्रियों में से 11 किसी न किसी रूप में स्काउटिंग से जुड़े रहे थे। बहुत कम लोग ही यह बात जानते होंगे कि स्काउट जो गले में स्कार्फ पहनते हैं, वह सिर्फ वर्दी का हिस्सा नहीं है, बल्कि इसके पीछे कुछ वैज्ञानिक तथ्य भी हैं। दरअसल, इसे इस तरह डिजाइन किया गया है कि आपातकालीन स्थिति में इसका उपयोग पट्टियों (बैंडजेज) के रूप में, खून रोकने के लिए, या झुलसे हुए हाथ को सहारा देने के लिए किया जा सके। स्काउट के पास स्कार्फ को बांधने वाला एक छल्ला होता है,जिसे वोगल कहा जाता है। गांठ बांधना (नोटिंग) स्काउटिंग का मुख्य हिस्सा है। इतना ही नहीं, स्काउट बेल्ट अक्सर चमड़े या मजबूत कपड़े की होती है, जिसमें हुक लगे होते हैं ताकि जरूरत पड़ने पर भारी सामान या औजार लटकाए जा सकें। वहीं, बैज स्काउट की दक्षता, उसकी रैंक और उसके द्वारा सीखे गए कौशलों (जैसे प्राथमिक चिकित्सा, तैराकी, खाना बनाना) को दर्शाते हैं।जब स्काउट कैंपिंग या ट्रेकिंग पर होते हैं, तो उनके पास एक सर्वाइवल किट मौजूद होती है, जिसमें क्रमशः रस्सी (टेंट लगाने, पुल बनाने या किसी को बचाने में प्रयोग),?चाकू या पेननाइफ;सीटी(संकट के समय संकेत देने के लिए) तथा कंपास और नक्शा भी मौजूद होता है। इसके अलावा,आपातकालीन सामग्री में क्रमशः फर्स्ट एड बॉक्स,माचिस या फ्लिंट तथा ?टॉर्च,व्यक्तिगत डायरी और पेन

भी प्रत्येक स्काउट के पास होते हैं।स्काउटिंग इतनी प्रसिद्ध रही है कि फिल्मों तक में इसका प्रभाव देखने को मिलता है। पाठकों को बताता चलूं कि प्रसिद्ध फिल्म निर्माता स्टीवन स्पीलबर्ग ने अपनी फिल्म इंडियाना जोन्स के मुख्य किरदार को एक स्काउट के रूप में दिखाया था क्योंकि वे स्वयं एक स्काउट थे और फिल्म की शूटिंग के दौरान उन्हें अपने पुराने अनुभवों से काफी मदद मिली थी। बहरहाल, यहां यह भी गौरतलब है कि आज स्काउटिंग दुनिया के लगभग हर देश में मौजूद है और करोड़ों युवा इससे जुड़े हैं। वैश्विक स्तर पर इसे वर्ल्ड ऑर्गेनाइजेशन ऑफ द स्काउट मूवमेंट संचालित करता है।स्काउट का प्रसिद्ध आदर्श वाक्य बी प्रिपेयर्ड यानी कि सदैव तैयार रहो (उपस्थिति और विवेक) प्रत्येक स्काउट कोजीवन के हर क्षेत्र में मानसिक और शारीरिक रूप से तैयार रहने की प्रेरणा देता है। कहना ग़लत नहीं होगा कि आज स्काउटिंग सबसे बड़ा स्वैच्छिक युवा संगठन है। दूसरे शब्दों में कहें तो

भारत स्काउट्स एंड गाइड्स देश का सबसे बड़ा गैर-राजनीतिक, वर्दीधारी युवा संगठन माना जाता है।

बहरहाल, यदि हम यहां पर अपने देश भारत की बात करें तो भारत विश्व के सबसे बड़े स्काउट सदस्य देशों में से एक है और आज स्कूल आधारित स्काउटिंग कार्यक्रमों के कारण सदस्य संख्या लगातार बढ़ती रहती है।महामारी, आपदा राहत और सामाजिक अभियानों में स्काउट-गाइड की बड़ी भूमिका रही है। दिलचस्प तथ्य यह है कि भारत का स्काउट संगठन विश्व के 170 से अधिक देशों के स्काउट आंदोलन से जुड़ा हुआ है तथा इसका कार्य क्षेत्र क्रमशः चरित्र निर्माण, सामुदायिक सेवा, आपदा राहत, पर्यावरण संरक्षण, स्वास्थ्य जागरूकता और नेतृत्व प्रशिक्षण है। पाठकों को बताता चलूं कि भारत में स्काउट-गाइड आंदोलन से लगभग 60 लाख से अधिक बच्चे और युवा (विभिन्न सरकारी कार्यक्रमों और आयोजनों के संदर्भ में) जुड़े हुए बताए जाते हैं । इसकी स्थापना के बारे में यदि हम यहां पर बात करें तो वर्तमान संगठन का गठन 1950 में हुआ (स्काउट) और 1951 में गाइड संगठन के एकीकरण के बाद पूर्ण रूप से बना।भारत में स्काउटिंग का संचालन मुख्य रूप से भारत स्काउट्स एंड गाइड्स (बीएसजी) द्वारा किया जाता है, जो देश का राष्ट्रीय स्काउट-गाइड संगठन है। गौरतलब है कि पिछले साल यानी कि वर्ष 2025 में आयोजित 19वीं राष्ट्रीय जम्बूरी उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में आयोजित की गई थी और यह आयोजन भारत स्काउट्स एंड गाइड्स द्वारा किया गया, जिसमें देश-विदेश से लगभग 30-33 हजार स्काउट और गाइड सदस्य शामिल हुए थे।यह जम्बूरी खास इसलिए भी रही क्योंकि लगभग 61 वर्षों बाद लखनऊ को राष्ट्रीय जम्बूरी की मेजबानी का अवसर मिला।हाल फिलहाल, यह बता दूं कि 22 फरवरी, 1857 को रॉबर्ट स्टीफनसन स्मिथ बेडन पॉवेल का जन्म हुआ था।1908 में उनकी पुस्तक स्काउटिंग फ़ोर ब्वायज के प्रकाशन के बाद उनका यह आंदोलन पूरी दुनिया में फैल गया। वास्तव में इस दिवस और आंदोलन का मूल उद्देश्य युवाओं का सर्वांगीण विकास(आल राउंड डेवलपमेंट) करना है।बच्चों में अनुशासन, साहस और आत्मविश्वास, समाज सेवा की भावना, नेतृत्व व मित्रता की भावना व क्षमता पैदा करना तथा उनका चरित्र निर्माण करना इसका वास्तविक उद्देश्य है।यह विश्व बंधुत्व की भावना को जाति, धर्म और देश की सीमाओं से ऊपर उठकर मजबूत और सुदृढ़ करता है।इस दिवस के लिए हर साल एक विशेष थीम चुनी जाती है, जो वैश्विक मुद्दों पर आधारित होती है। पिछले साल यानी कि वर्ष 2025 में थीम हमारी दुनिया, हमारा साझा भविष्य रखी गई थी,जिसमें क्रमशः पर्यावरण संरक्षण, लैंगिक समानता तथा शांति स्थापना(भाईचारा और समझ) जैसे बिंदुओं पर जोर दिया गया था।इस साल यानी कि वर्ष 2026 में इस दिवस की थीम हमारी दुनिया, हमारा संपन्न भविष्यः पर्यावरण और वैश्विक गरीबी रखी गई है।?यह थीम हमें यह सिखाती है कि कैसे पर्यावरण की रक्षा और गरीबी उन्मूलन एक बेहतर भविष्य के लिए जरूरी हैं। दूसरे शब्दों में कहें तो यह थीम बच्चों को जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करने, प्रकृति के साथ जुड़ाव (कचरे/अपशिष्ट प्रबंधन, वृक्षारोपण आदि) तथा सतत विकास या यूं कहें कि संसाधनों का इस तरह उपयोग करना कि भविष्य की पीढ़ियों के लिए भी वे सुरक्षित रहें आदि के बारे में जागरूक करती है। यह थीम सिखाती है कि हम सिंगल-यूज प्लास्टिक का त्याग करें, पर्यावरणीय शिक्षा के बारे में पूरे समाज को जागरूक व प्रोत्साहित करें तथा ईको-फ्रेंडली कैंपिंग पर जोर दें। वास्तव में यह थीम बच्चों में इस भावना का विकास करती है कि आज पर्यावरण की समस्या किसी एक देश विशेष की ही नहीं है, बल्कि यह पूरी दुनिया की एक बड़ी व साझी समस्या है। अंत में निष्कर्ष के तौर पर यही कहूंगा कि विश्व स्काउट दिवस केवल एक संगठन की वर्षगांठ नहीं है, बल्कि यह लॉर्ड बेडेन पावेल द्वारा स्थापित उन मानवीय मूल्यों को दोहराने का दिन है जो एक अनुशासित और सेवाभावी समाज की नींव रखते हैं। यह दिवस हमें सिखाता है कि निस्वार्थ सेवा, नेतृत्व और सदैव तैयार रहने का संकल्प ही एक श्रेष्ठ नागरिक की असली पहचान है। यदि हम स्काउटिंग के सिद्धांतों को अपने जीवन में उतारें, तो हम न केवल स्वयं का सर्वांगीण विकास कर सकते हैं, बल्कि विश्व शांति और भाईचारे की भावना को भी सशक्त बना सकते हैं।

(फ्रीलांस राइटर, कॉलमिस्ट व युवा साहित्यकार)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

भारत का भाग्य,भविष्य और भय के बीच खड़ा कृत्रिम बुद्धिमत्ता युग

नई दिल्ली के भारत मंडपम में 16 से 20 फरवरी 2026 तक आयोजित एआई इम्पैक्ट सम्मेलन भारत के आधुनिक इतिहास में एक निर्णायक क्षण के रूप में दर्ज किया जाएगा।यह केवल एक अन्तराष्ट्रीय तकनीकी सम्मेलन नहीं था,बल्कि एक सभ्यतागत घोषणा थी – कि भारत अब अपनी नियति कृत्रिम बुद्धिमत्ता की शक्ति से गढ़ना चाहता है प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव के नेतृत्व में यह आयोजन भारत की उस महत्वाकांक्षा का प्रतीक बना, जिसमें तकनीक विकास का साधन नहीं,बल्कि राष्ट्र-निर्माण का दर्शन बन रही है।

विनोद कुमार सिंह

प्रधानमंत्री मोदी ने उद्घाटन भाषण में जिस आत्म विश्वास से कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता भारत का भाग्य और भविष्य है,वह कथन किसी राजनीतिक भाषण से अधिक एक रणनीतिक उद्घोष था।यह उस भारत की आवाज़ थी,जो औपनिवेशिक युग में औद्योगिक क्रांति से वंचित रहा, जिसने सूचना प्रौद्योगिकी क्रांति में सेवा क्षेत्र तक स्वयं को सीमित रखा,और अब तीसरी बड़ी तकनीकी क्रांति–कृत्रिम बुद्धिमत्ता - में नेतृत्व की आकांक्षा रखता है।

मोदी सरकार के लिए एआई केवल तकनीकी उपकरण नहीं,बल्कि विकसित भारत 2047 के स्वप्न का मुख्य इंजन है।जिस प्रकार बीसवीं सदी में रेल,बिजली और सड़क राष्ट्र-निर्माण की आधारशिला बने, उसी प्रकार इक्कीसवीं सदी में डेटा, एल्गोरिद्म और सुपरकंप्यूटिंग को राष्ट्रीय बुनियादी ढाँचे के रूप में देखा जा रहा है।प्रधानमंत्री ने एआई को 'डिजिटल स्वराज' का मार्ग बताया - एक ऐसा स्वराज जिसमें भारत तकनीक का उपभोक्ता नहीं, बल्कि निर्माता और नियंता होगा।

अश्विनी वैष्णव का दृष्टिकोण इस स्वप्न को संस्थागत ढाँचा देने का प्रयास है।उन्होंने एआई को राष्ट्रीय इंफ्रास्ट्रक्चर की संज्ञा देते हुए कहा कि भारत को अपने स्वयं के फाउंडेशन मॉडल,राष्ट्रीय डेटा ग्रिड और सुपरकंप्यूटिंग क्षमता विकसित करनी होगी।उनका मानना था कि एआई भारत के लिए वही भूमिका निभाएगा, जो बीसवीं सदी में रेलवे और बिजली ने निभाई–देश को जोड़ने और गति देने की भूमिका।

एआई इम्पैक्ट सम्मेलन में कई रणनीतिक घोषणाएँ की गईं, जो भारत के तकनीकी भविष्य की दिशा निर्धारित करती हैं।सरकार ने राष्ट्रीय एआई कंप्यूट ग्रिड, स्वदेशी भाषा मॉडल,सरकारी सेवाओं में एआई के व्यापक उपयोग,स्वास्थ्य और शिक्षा में डिजिटल प्लेटफॉर्म, स्मार्ट शहरों और रक्षा प्रणालियों में एआई आधारित समाधान विकसित करने की प्रतिबद्धता दोहराई। भारत को एआई अनुसंधान, स्टार्टअप और उद्योग का वैश्विक केंद्र बनाने के लिए नीति,वित्त और अवसंरचना के समन्वित प्रयासों की घोषणा की गई।इस सम्मेलन की एक प्रमुख उपलब्धि विदेशी निवेश को आकर्षित करने की दिशा में थी। वैश्विक टेक कंपनियों, निवेश फंडों और बहुराष्ट्रीय निगमों ने भारत के एआई पारिस्थितिकी तंत्र में निवेश की रुचि दिखाई।डेटा सेंटर,क्लाउड इंफ्रास्ट्रक्चर, सेमीकंडक्टर, चिप डिजाइन और एआई स्टार्टअप में अरबों डॉलर के निवेश प्रस्तावों की चर्चा हुई।भारत को एआई निर्माण और अनुसंधान का वैश्विक हब बनाने के लिए कई अंतरराष्ट्रीय साझेदारियों की घोषणा की गई। यह संकेत है कि वैश्विक पूंजी भारत को अगली तकनीकी क्रांति का महत्वपूर्ण केंद्र मान रही है।

विदेशी निवेश के साथ रोजगार की संभावनाएँ भी इस सम्मेलन का केंद्रीय विषय रहीं।सरकार और उद्योग जगत का दावा है कि एआई भारत में लाखों नई नौकरियाँ पैदा करेगा - डेटा वैज्ञानिक, एआई इंजीनियर, साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ, चिप डिजाइनर, डिजिटल सेवा प्रदाता और तकनीकी प्रशिक्षक जैसे क्षेत्रों में। साथ ही, एआई आधारित स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि और प्रशासनिक सेवाओं में नए प्रकार के रोजगार उत्पन्न होंगे। यह आशा व्यक्त की गई कि भारत की विशाल युवा जनसंख्या को एआई युग के लिए कौशल प्रदान कर वैश्विक कार्यबल का नेतृत्व करने के लिए तैयार किया जाएगा।

परंतु इतिहास हमें सिखाता है कि हर तकनीकी क्रांति अवसरों के साथ विस्थापन भी लाती है। औद्योगिक क्रांति ने पारंपरिक कारीगरों को विस्थापित किया, सूचना क्रांति ने डिजिटल डिवाइड को जन्म दिया, और एआई क्रांति मानव श्रम के अस्तित्व पर प्रश्न खड़ा कर रही है।मशीनें न केवल शारीरिक श्रम, बल्कि बौद्धिक श्रम भी करने लगी हैं।पत्रकारिता, बैंकिंग, कानून,शिक्षा,चिकित्सा और प्रशासन जैसे क्षेत्रों में एआई का प्रवेश तेजी से हो रहा है।आम आदमी के मन में यह भय स्वाभाविक है कि कहीं यह तकनीक उसकी आजीविका न छीन ले।सरकार कौशल विकास और पुनः प्रशिक्षण की बात करती है, परंतु भारत जैसे विशाल और विविध समाज में यह कार्य कितना प्रभावी होगा, यह एक खुला प्रश्न है। ग्रामीण,असंगठित और कम शिक्षित श्रमिक वर्ग के लिए एआई युग में समायोजन आसान नहीं होगा।यदि एआई नीति सामाजिक सुरक्षा, शिक्षा सुधार और रोजगार पुनर्गठन के साथ नहीं जुड़ी,तो यह तकनीकी प्रगति सामाजिक असंतोष का कारण बन सकती है।

एक अन्य गहरा प्रश्न मानव निर्णयों पर मशीन के प्रभाव का है। यदि शासन,न्याय और सुरक्षा में एआई का उपयोग बढ़ता है,तो मानवीय विवेक,नैतिकता और संवेदना का स्थान एल्गोरिद्म ले सकता है। एल्गोरिद्म निष्पक्ष होने का दावा करता है, परंतु वह भी मानव निर्मित होता है और उसमें मानव पूर्वाग्रह समाहित हो सकते हैं। लोकतंत्र में अंतिम निर्णय मानव प्रतिनिधियों और संस्थाओं के हाथ में होना चाहिए,परंतु एआई की बढ़ती भूमिका लोकतांत्रिक उत्तरदायित्व को जटिल बना सकती है।डेटा और गोपनीयता का प्रश्न भी उतना ही महत्वपूर्ण है।एआई डेटा पर आधारित है,डेटा आधुनिक युग का नया तेल बन चुका है।नागरिकों की निजी जानकारी,व्यवहार, स्वास्थ्य,शिक्षा और वित्तीय विवरण एआई प्रणालियों में प्रवाहित होंगे। यह प्रश्न उठता है कि इस डेटा का स्वामी कौन होगा - नागरिक,सरकार या कॉर्पोरेट भारत में डेटा संरक्षण कानून विकसित हो रहे हैं, परंतु आम नागरिक के मन में यह आशंका है कि कहीं उसकी निजता तकनीकी प्रगति की बलि न चढ़ जाए।डिजिटल असमानता का प्रश्न भारत के लिए विशेष रूप से गंभीर है। भारत एक असमान समाज है–शहरी और ग्रामीण, अमीर और गरीब, शिक्षित और अशिक्षित के बीच गहरी खाई है।यदि एआई केवल शहरी,अंग्रेज़ी-भाषी और तकनीकी रूप से सक्षम वर्ग तक सीमित रहा,तो यह खाई और गहरी हो सकती है। मोदी सरकार भारतीय भाषाओं में एआई मॉडल विकसित करने की बात करती है, ताकि ग्रामीण और क्षेत्रीय भाषाओं के नागरिक भी लाभान्वित हों।यह एक सकारात्मक संकेत है,परंतु इसे नीति और संसाधनों के स्तर पर वास्तविक रूप देना चुनौतीपूर्ण होगा।एआई इम्पैक्ट सम्मेलन 26 में भारत बनाम अमेरिका और चीन की तकनीकी प्रतिस्पर्धा का संदर्भ भी स्पष्ट था। अमेरिका एआई अनुसंधान और नवाचार में अग्रणी है, चीन एआई को राज्य-नियंत्रित रणनीतिक हथियार के रूप में विकसित कर रहा है, और भारत तीसरा रास्ता खोज रहा है–लोकतांत्रिक, समावेशी और मानव-केंद्रित एआई विकास का मॉडल। यह एक कठिन लेकिन नैतिक रूप से आवश्यक मार्ग है। यदि भारत इस मार्ग पर सफल होता है, तो वह केवल तकनीकी शक्ति नहीं, बल्कि नैतिक वैश्विक नेतृत्व भी स्थापित कर सकता है।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता केवल तकनीक नहीं, बल्कि मानव चेतना, समाज और सभ्यता को पुनर्परिभाषित करने वाली शक्ति है। भारतीय दर्शन में बुद्धि को विवेक, धर्म और करुणा से जोड़ा गया है। मशीन बुद्धि में यह विवेक और करुणा कहाँ से आएगी यह प्रश्न केवल तकनीकी नहीं, बल्कि दार्शनिक और आध्यात्मिक भी है। भारत, जो योग, दर्शन और मानव चेतना के अध्ययन की प्राचीन परंपरा रखता है, एआई युग में मानव और मशीन के संबंध पर वैश्विक विमर्श का नेतृत्व कर सकता है।

डिप्टी सीएम साव का ऐलान, छत्तीसगढ़ी बनेगी राजभाषा

पं. श्यामलाल चतुर्वेदी की जन्म शताब्दी पर किया वादा

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर (निप्र)। डिप्टी सीएम अरुण साव ने घोषणा की है कि पद्मश्री पं. श्यामलाल चतुर्वेदी के सपने को साकार करने के लिए छत्तीसगढ़ी को राजभाषा का दर्जा दिलाने के लिए हर संभव प्रयास किए जाएंगे यह बात उन्होंने शुक्रवार को बिलासपुर के लखीराम अग्रवाल ऑडिटोरियम में पं. चतुर्वेदी की जन्म शताब्दी समारोह में कही। समारोह की अध्यक्षता दिल्ली और रायपुर के वरिष्ठ पत्रकार जगदीश उपासने ने की इस अवसर पर पं. चतुर्वेदी पर केंद्रित एक स्मृति ग्रंथ का विमोचन किया गया जिसका संपादन वरिष्ठ पत्रकार रुद्र अवस्थी ने किया है। साथ ही, पं. चतुर्वेदी की छत्तीसगढ़ी पुस्तिका 'भोलवा भोलाराम बनिस' और डॉ. सुषमा शर्मा द्वारा प्रकाशित इसके हिंदी अनुवाद का भी विमोचन हुआ। कार्यक्रम में महापौर पूजा विधानी, नगर विधायक अमर अग्रवाल, बिल्हा विधायक धरमलाल कौशिक, कोटा विधायक अटल श्रीवास्तव, बेलतरा विधायक सुशांत शुक्ला सहित कई साहित्यकार और गणमान्य नागरिक उपस्थित थे उप मुख्यमंत्री साव ने कहा कि 2 अप्रैल 2018 को जब पं. चतुर्वेदी को पद्मश्री से सम्मानित किया गया, तो यह पूरे छत्तीसगढ़ की संस्कृति और सभ्यता का सम्मान था। उन्होंने पं. चतुर्वेदी को बहुमुखी प्रतिभा का धनी बताया, जो एक कवि, साहित्यकार और पत्रकार होने के साथ-साथ बेबाक वक्ता भी थे। साव ने आगे कहा कि पं. चतुर्वेदी 100 प्रतिशत छत्तीसगढ़ी संस्कारों से ओत-प्रोत थे।

उनकी निरंतर साहित्य साधना और जीवन शैली हम सभी के लिए प्रेरणादायी है। उन्होंने छत्तीसगढ़ की माटी, भाषा और लोक संस्कारों को आगे बढ़ाने में अपना जीवन समर्पित कर दिया। वे छत्तीसगढ़ राजभाषा आयोग के प्रथम अध्यक्ष भी रहे, और छत्तीसगढ़ी भाषा के संवर्धन में उनका योगदान अविस्मरणीय है डिप्टी सीएम ने दोहराया कि पं. चतुर्वेदी की स्मृति को अक्षुण्ण रखने और छत्तीसगढ़ी को राजभाषा का दर्जा दिलाने के लिए छत्तीसगढ़ सरकार हर संभव प्रयास करने को प्रतिबद्ध है कार्यक्रम में शामिल विद्वान वक्ता, पत्रकार, बुद्धीजीवियों ने माना कि छत्तीसगढ़ की भाषा, संस्कृति और परंपरा की बात करें तो पं चतुर्वेदी छत्तीसगढ़ के चेहरे के रूप में उभर कर सामने आते हैं। उन्होंने कहा कि पं चतुर्वेदी सही मायने में छत्तीसगढ़ ही नहीं बल्कि देश की धरोहर माने जा सकते हैं।

क्रेडिट कार्ड फ्रॉड मामले में एक आरोपी बरी, कोर्ट ने कहा अकाउंट में ट्रांजेक्शन कराने वाले की जांच क्यों नहीं की

मीडिया ऑडीटर, ग्वालियर (निप्र)। ग्वालियर में विशेष न्यायाधीश (साइबर क्राइम) विवेक कुमार ने क्रेडिट कार्ड फ्रॉड केस में एक आरोपी को संदेह के आधार पर लाभ देते हुए बरी कर दिया है। कोर्ट ने इस दौरान पुलिस की जांच पर सवाल खड़े कर दिए हैं। कोर्ट ने नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि क्रेडिट कार्ड से फ्रॉड मामले में कुल तीन आरोपी थे। पुलिस ने एक आरोपी के खिलाफ जांच कर उसे पकड़ा और कोर्ट में चालान पेश किया लेकिन जिस आरोपी ने कॉल किया था और जिसके अकाउंट में ठगी के रुपए ट्रांजेक्शन हुआ उसकी न जांच की गई न ही पकड़ा गया। न ही जांच में कहीं उनका जिक्र किया गया। कोर्ट में स्वीकार भी किया गया कि उनको आरोपी नहीं बनाया गया है। अब कोट्र ने विवेचना अधिकारी को स्पष्टीकरण के साथ तलब किया है। ग्वालियर निवासी रवि शिवहरे एक प्राइवेट कंपनी में जॉब करते हैं 03 अगस्त 2018 को उनके मोबाइल पर कॉल आया था। कॉल करने वाले ने खुद को ICICI बैंक का कर्मचारी बताते हुए केवायसी के नाम पर एक ओटीपी जनरेट होने की बात कहते हुए पूछा था। ओटीपी शेयर करते ही रवि शिवहरे के क्रेडिट कार्ड से 32810 रुपए की अमाउंट ट्रांसफर हो गई थी यह राशि पहले क्रेडिट कार्ड से एक वॉलेट में ट्रांसफर होकर अकाउंट में ट्रांजेक्शन हुआ था।

अश्लील वीडियो से ब्लैकमेल कर 2.5 करोड़ ठगे

'डिजिटल अरेस्ट' ठगी के 20 आरोपी गिरफ्तार, 1.07 करोड़ का मशरूका जब्त

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। पुलिस ने चैटिंग वीडियो एप के जरिए अश्लील वीडियो दिखाकर देशभर के लोगों को 'डिजिटल अरेस्ट' करने की धमकी देकर करोड़ों रुपए की ठगी करने वाले बड़े गिरोह का पर्दाफाश किया है आरोपी महिलाओं के नाम से फर्जी व्हाट्सएप अकाउंट बनाकर अश्लील चैट और वीडियो कॉल करते थे फिर उसकी अश्लील वीडियो के साथ रिकॉर्डिंग कर पीड़ितों को ब्लैकमेल करते थे पुलिस ने शनिवार को इस कार्रवाई में 20 आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 7 कार, 1 बाइक, 29 मोबाइल, 16 एटीएम कार्ड, 7 बैंक पासबुक, 1 मकान की रजिस्ट्री और 1 लाख 20 हजार रुपए नकद सहित करीब 1 करोड़ 7 लाख रुपए का मशरूका जब्त किया है। जांच में सामने आया है कि गिरोह अब तक ढाई करोड़ रुपए से अधिक की ठगी कर चुका है। एक आरोपी ने ठगी के पैसों से आलीशान मकान तक बनवा लिया था, जिसकी रजिस्ट्री भी पुलिस ने जब्त कर ली है। गिरोह का खुलासा करते हुए एसपी अमन सिंह राठौड़ ने बताया कि आरोपी महिलाओं के नाम से फर्जी व्हाट्सएप अकाउंट बनाते थे इसके बाद वे ऑनलाइन चैटिंग के इच्छुक लोगों से अश्लील बातचीत और वीडियो कॉल करते थे कॉल और चैट की रिकॉर्डिंग कर ली जाती थी इसके बाद आरोपी खुद को पुलिस अधिकारी बताकर पीड़ितों को फोन करते थे और बलात्कार, चाइल्ड पोर्नोग्राफी जैसे गंभीर अपराधों में फंसाने की धमकी देते थे डिजिटल अरेस्ट का डर दिखाकर केस सेटलमेंट के नाम पर मोटी रकम ट्रांसफर करवा लेते थे डर और सामाजिक बदनामी के भय से कई लोग आरोपियों के खाते में बड़ी रकम भेज देते थे गिरोह द्वारा जैसे एप्स का उपयोग किया जा रहा था। ये एप एपीके फाइल के जरिए मोबाइल में आसानी से डाउनलोड हो जाते हैं। आमतौर पर ऑनलाइन चैटिंग की तलाश करने वाले लोग इन्हें सर्च कर इंस्टॉल कर लेते हैं जिसका फायदा आरोपी उठाते थे। एसपी राठौड़ ने बताया कि पिछले एक सप्ताह में साइबर अपराध से जुड़े 4 अलग-अलग एफआईआर दर्ज किए गए हैं।

इन एप्स का कर रहे थे इस्तेमाल: HIIU, TOKKI, MIKA, ELOELO, GAGA, HANI, SUGO, COMMECTO, HITSU, HONEY COMET

एमपी-एमएलए कोर्ट में पेश नहीं हुए जीतू, आचार संहिता उल्लंघन मामले मे कोर्ट ने जारी किया था जमानती वारंट

मीडिया ऑडीटर, ग्वालियर (निप्र)। मध्य प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष जीतू पटवारी शुक्रवार को ग्वालियर स्थित विशेष न्यायिक मजिस्ट्रेट एमपी-एमएलए कोर्ट में जमानती वारंट पर उपस्थित नहीं हुए कोर्ट ने उन्हें दूसरी बार जमानती वारंट जारी कर तलब किया था, लेकिन पहली बार की तरह इस बार भी वे पेश नहीं हुए उनके अनुपस्थित रहने के कारण आदर्श आचार संहिता उल्लंघन से जुड़े मामले में ट्रायल की कार्यवाही शुरू नहीं हो सकी। मामला वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव के दौरान भिंड-दतिया संसदीय क्षेत्र से जुड़ा है। चुनाव प्रचार के दौरान पटवारी ने बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के प्रत्याशी देवाशीष जरारिया पर भाजपा के साथ मिले होने का आरोप लगाया था। इस बयान के बाद राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया था। बसपा की ओर से 4 मई 2024 को भिंड के ऊमरी थाने में पटवारी के खिलाफ आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन का मामला दर्ज कराया गया पटवारी के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 188 और जनप्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा 123(5) के तहत प्रकरण दर्ज है। पुलिस ने जांच के बाद ग्वालियर की एमपी-एमएलए कोर्ट में चालान पेश किया दो बार बुलावे के बावजूद अनुपस्थित जानकारी के अनुसार मामले में विचारण शुरू होने के बाद 15 जुलाई 2024 से पटवारी को लगातार तलब किया जा रहा है, लेकिन वे कोर्ट में उपस्थित नहीं हुए। बार-बार अनुपस्थित रहने पर कोर्ट ने 16 जनवरी को पहला जमानती वारंट जारी किया था। इसके बाद 20 फरवरी को फिर से जमानती वारंट पर उन्हें बुलाया गया, लेकिन इस बार भी वे पेश नहीं हुए। अब कोर्ट अगली सुनवाई की तारीख तय करेगा, जिसके बाद मामले में आगे की कार्रवाई की जाएगी।

9 साल के बच्चे की डूबने से मौत, पोखड़ी तालाब में मां के साथ गया था नहाने

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। इलाके में 9 साल के बच्चे की बड़ी बाजार स्थित पोखड़ी तालाब में डूबने से मौत हो गई। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है जानकारी के अनुसार, बच्चा अपनी मां के साथ तालाब में नहाने गया था नहाते समय मां कुछ देर के लिए बर्तन रखने चली गई इसी दौरान बच्चा गहरे पानी में चला गया और डूब गया जब तक आसपास के लोगों को इसकी जानकारी मिलती और उसे बाहर निकाला जाता, तब तक काफी देर हो चुकी थी अनूपपुर के कोतमा का रहने वाला है परिवार मृतक बच्चे के परिजन ईंट-भट्ठे में मजदूरी का काम करते हैं।

यह परिवार मूल रूप से मध्यप्रदेश के कोतमा क्षेत्र का निवासी है। रोजगार की तलाश में परिवार कोतमा से चिरमिरी आया था और यहीं अस्थायी रूप से रह रहा था। घटना की सूचना मिलने पर चिरमिरी पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव का पंचनामा तैयार कर पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा। इस मामले में आगे की जांच जारी है। स्थानीय निवासियों ने तालाब के आसपास सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने और चेतावनी बोर्ड लगाने की मांग की है, ताकि भविष्य में ऐसी दुर्घटनाओं को रोका जा सके।

डंपरों के स्ट्रक्चर में बदलाव कर ओवरलोड रेत का परिवहन

मीडिया ऑडीटर नर्मदापुरम (निप्र)। रेत के कारोबार से जुड़े कुछ डंपर चालक, मालिकों ने ज्यादा रेत ढोने की मंशा से डंपर की बॉडी के स्ट्रक्चर में बदलाव कर लिया है। मनमर्जी से वेल्डिंग कर डेढ़ दो फीट अतिरिक्त ऊंचा कर लिया है। जिससे अतिरिक्त (ओवरलोड) रेत का परिवहन कर रहे है मोडिफाई किए ऐसे चार डंपरों को देहात थाना पुलिस ने जासलपुर से पकड़ा है। जिन डंपरों को देहात थाना परियर में खड़े कराया गया नर्मदापुरम में ओवरलोड रेत और बिना रॉयल्टी के रेत परिवहन करने वाले वाहनों के खिलाफ प्रशासन सख्त है। पांच दिनों से राजस्व, खनिज और पुलिस की टीमें लगातार जिलेभर में जांच कर, ओवरलोड रेत परिवहन करने वाले वाहनों को पकड़ रही है डम्पर की बॉडी में बदलाव कर डेढ़ फीट ऊंचाई बढ़ाई गई। डम्पर की बॉडी में बदलाव कर डेढ़ फीट ऊंचाई बढ़ाई गई। शुक्रवार को देहात थाना प्रभारी सौरभ पांडे ने डंपरों को पकड़ा। ओवरलोड रेत परिवहन करने वाले वाहनों पर कार्रवाई से डम्पर मालिकों में हड़कंप है। भोपाल, इंदौर, खंडवा, अलीराजपुर, खरगोन समेत अन्य जिलों के डम्पर मालिक रेत भर परिवहन करने से बच रहे है।

जिले में आर्कियोलॉजिकल एंड कल्चरल कॉन्टेक्स्ट ऑफ सरगुजा पर पांच दिवसीय राज्य स्तरीय कार्यशाला संपन्न

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। संचालनालय पुरातत्व अभिलेखागार एवं संग्रहालय रायपुर द्वारा 17 से 21 फरवरी तक श्आर्कियोलॉजिकल एंड कल्चरल कॉन्टेक्स्ट ऑफसरगुजा विषय पर पांच दिवसीय राज्य स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस महत्वपूर्ण कार्यशाला का उद्देश्य सरगुजा अंचल की समृद्ध पुरातात्विक विरासतए ऐतिहासिक स्मारकों महापाषाणीय संस्कृति जनजातीय परंपराओं तथा अभिलेखन एवं संवर्धन के प्रति व्यापक जागरूकता उत्पन्न करना और प्रतिभागियों का क्षमता विकास करना था। राज्यभर से आए प्रतिभागियों के बीच यह आयोजन शोध संरक्षण और सांस्कृतिक संवाद का सशक्त मंच बना। कार्यशाला में जिले के पुरातत्व एवं पर्यटन विभाग के नोडल अधिकारी तथा जिला पुरातत्व संघ के सदस्य डॉ् विनोद कुमार पांडेय को विषय विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया गया। डा पांडेय ने पुरास्थल एवं उनका संरक्षणश् विषय पर विस्तृत एवं शोधपरक व्याख्यान प्रस्तुत कियाए जिसमें उन्होंने जिले की ऐतिहासिक धरोहरोंए उनके महत्व और संरक्षण की चुनौतियों पर विस्तार से प्रकाश डाला। अपने व्याख्यान में डॉ. पांडेय ने सीतामढ़ी हरचौका रामवन गमन पथद्ध का विशेष उल्लेख करते हुए इसे धार्मिक और ऐतिहासिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण स्थल बताया तथा इसके संरक्षण और पर्यटन संभावनाओं पर विस्तार से चर्चा की। जटाशंकरी गुफा की प्राकृतिक संरचना और धार्मिक महत्व को रेखांकित करते हुए उन्होंने इसे क्षेत्र की विशिष्ट पहचान बताया गोंडवाना मरीन फॉसिल पार्क का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि यहां प्राप्त प्रागैतिहासिक समुद्री जीवाश्म इस क्षेत्र के भू.वैज्ञानिक इतिहास को दर्शाते हैं और वैज्ञानिक दृष्टि से यह स्थल अत्यंत महत्वपूर्ण है इसके अतिरिक्त उन्होंने सीतामढ़ी घघरा का शिव मंदिरए रॉक पेंटिंग सती मंदिर चिरमिरी तथा धवलपुर की गढ़ी जैसे महत्वपूर्ण स्थलों के ऐतिहासिक महत्व और संरक्षण की आवश्यकता पर गंभीरतापूर्वक चर्चा की है।

नर्मदापुरम-पिपरिया स्टेट हाईवे पर ट्रक में लगी आग, एक-एक कर फटे टायर

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। सेमरी हरचंद में नर्मदापुरम-पिपरिया स्टेट हाईवे पर अनाज मंडी के पास खड़ा एक ट्रक शुक्रवार रात करीब 9 बजे अचानक आग की चपेट में आ गया। ट्रक में सीमेंट भरी थी। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया और 8 से 10 फीट ऊंची लपटें उठने लगीं। ड्राइवर ने समय रहते ट्रक से कूदकर अपनी जान बचाई। आग बढ़ने के साथ एक-एक कर टायर फटने लगे, जिससे मौके पर दहशत का माहौल बन गया। सूचना मिलते ही सेमरी हरचंद पुलिस चौकी प्रभारी आकाशदीप पचाया बल के साथ मौके पर पहुंचे सुरक्षा की दृष्टि से हाईवे पर कुछ देर के लिए वाहनों की आवाजाही बंद कर दी गई। आग बुझाने के लिए माखननगर और सोहागपुर से फायर ब्रिगेड बुलाई गई। दमकल टीम ने करीब आधे घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक ट्रक पूरी तरह जल चुका था। एसडीओपी संजू चौहान ने बताया कि 12 चक्कों वाले ट्रक की केबिन में अचानक आग लगने की सूचना मिली है आग लगने के कारणों का अभी पता नहीं चल सका है। ड्राइवर की तलाश कर पूछताछ की जाएगी आग के चलते स्टेट हाईवे-22 पर कुछ समय के लिए यातायात प्रभावित रहा और सड़क पर भीड़ जमा हो गई। एसडीओपी संजू चौहान ने बताया 12 चक्कों वाले ट्रक में सीमेंट भरी थी। मंडी के पास ट्रक खड़ा था। कैबिन में अचानक से आग लगने की सूचना है। आग किस वजह से लगी। इसका पता नहीं चल पाया है। ट्रक ड्राइवर की तलाश कर पूछताछ करेंगे। आग की वजह से स्टेट हाइवे 22 पर यातायात प्रभावित हुआ। स्टेट हाईवे-22 पर भीड़ जमा हो गई और कुछ समय के लिए यातायात भी प्रभावित हुआ।

कांग्रेस जिलाध्यक्ष ने शराब बिकने की शिकायत, पुलिस ने एक ढाबे के सामने की कार्रवाई

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। आबकारी टीम ने स्कार्पियो से शराब तस्करी करते एक युवक को पकड़ा। आबकारी टीम ने स्कार्पियो से शराब तस्करी करते एक युवक को पकड़ा कांग्रेस जिला अध्यक्ष शिवकांत पांडे द्वारा इटारसी, नर्मदापुरम और पथरौटा क्षेत्र के कुछ ढाबों पर अवैध शराब बिकने और पिलाने की शिकायत किए जाने के तीन दिन बाद पुलिस और आबकारी विभाग ने कार्रवाई शुरू की है जिला अध्यक्ष ने एसपी को लिखित शिकायत में संबंधित ढाबों के नाम भी बताए थे, हालांकि शुरुआती स्तर पर शिकायत का व्यापक असर देखने को नहीं मिला। शिवकांत पांडे ने पथरौटा में नहर के पास स्थित रंजीत ढाबे का नाम सार्वजनिक करते हुए आरोप लगाया था कि वहां सबसे अधिक अवैध शराब बेची जाती है, जिससे क्षेत्र से आने-जाने वाले लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ता है शिकायत के बाद पथरौटा पुलिस ने अवैध शराब के दो मामले दर्ज किए हैं।

पार्षद ने नगर परिषद के बाहर गोबर प्रदर्शन किया, वार्ड 15 में विकास कार्य नहीं; काम नहीं हुए तो उग्र आंदोलन होगा

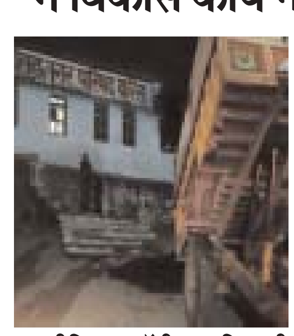

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। करैरा नगर परिषद में शुक्रवार रात वार्ड क्रमांक 15 की पार्षद खुशबू पृथ्वी यादव ने विरोध-प्रदर्शन किया उन्होंने वार्ड में लंबे समय से लंबित विकास कार्यों को लेकर नगर परिषद कार्यालय के बाहर ट्रैक्टर से गोबर डलवाया। पार्षद खुशबू यादव ने आरोप लगाया कि उनके वार्ड की कई गलियां लंबे समय से बंद पड़ी हैं। कुछ स्थानों पर नए निर्माण कार्यों को स्वीकृति मिलने के बावजूद काम शुरू नहीं किया जा रहा है उन्होंने बताया कि कई बार मौखिक और लिखित शिकायत करने के बाद भी नगर परिषद प्रशासन की ओर से कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई उन्होंने बताया कि वार्ड नंबर 15 में मुख्य सड़क पर स्थित काली माता मंदिर के सामने वाली गली और हीरो एजेंसी वाली गली काफी समय से अवरुद्ध हैं। इन रास्तों के बंद होने से स्थानीय निवासियों को आवागमन में परेशानी हो रही है, साथ ही गंदगी और जलभराव की समस्या भी बढ़ रही है। पार्षद ने अपनी नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि शहर की हालत गोबर जैसी होती जा रही है। उन्होंने यह प्रतीकात्मक विरोध इसलिए किया ताकि जिम्मेदार अधिकारियों को जनता की समस्याओं का एहसास हो सके पार्षद यादव ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही वार्ड के विकास कार्य शुरू नहीं किए गए, तो वे नगर परिषद अध्यक्ष के निवास के बाहर भी इसी तरह का विरोध प्रदर्शन करेंगी।

रतलाम में बर्थडे पार्टी में छात्रा को खिलाया नशीला पाउडर

जबरदस्ती करने की कोशिश की, आपत्तिजनक फोटो लेकर वायरल करने की दी धमकी

मीडिया ऑडीटर, रतलाम (निप्र)। रतलाम में एक मुस्लिम युवक ने कक्षा 12वीं की छात्रा (हिंदू युवती) को नशीला पदार्थ खिलाकर जबरन संबंध बनाने की कोशिश की। यहां तक छात्रा के साथ आपत्तिजनक हरकत कर फोटो भी ले लिए। फिर फोटो वायरल करने की धमकी दी। छात्रा ने हिम्मत कर थाना औद्योगिक क्षेत्र में शिकायत की। इसके बाद पुलिस ने संबंधित युवक के खिलाफ केस दर्ज किया।

घटनाक्रम ढाई माह पुराना है। छात्रा ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई। बताया कि 30 नवंबर 2025 की शाम अपनी सहेली के बर्थडे पार्टी में गई थी। जहां मुन्नालाला नाम का लड़का भी आया था। जिसे मैं नहीं पहचानती थी। उसने मुझे कुछ सफेद पाउडर जैसा खाने के लिए दिया। मैंने खाने से मना किया। उसने कहा कि तु खाकर तो देख अच्छी चीज है। अच्छी नहीं लगे तो थूक देना।

पाउडर खाया तो चक्कर आए: इसके बाद पाउडर खा लिया। उसके बाद छात्रा को चक्कर आने लगे। वह थूकने के लिए बाहर गई तो पीछे से मुन्नालाला पास आ गया। उसने बुरी नियत से पकड़ते हुए आपत्तिजनक हरकत करते हुए छात्रा का फोटो ले लिया। संबंध बनाने का दबाव बनाने लगा। तब उसे पता चला कि युवक तो मुस्लिम है। फोटो लेने पर आपत्ति जताते हुए पुलिस में शिकायत की बात कही। तो मुन्नालाला ने जान से मारने व फोटो वायरल करने की धमकी दी।

डर के कारण शिकायत नहीं की : युवती ने बताया कि डर व दबाव के कारण वह इतने दिनों तक शिकायत नहीं कर पाई थी। मुन्नालाला इस तरह की हरकते कई लड़कियों के साथ कर चुका है। इस कारण हिम्मत कर नानी के साथ थाने पहुंच शिकायत की। पुलिस ने 18 जनवरी की रात केस दर्ज किया। शुक्रवार रात मामला सामने आया।

चश्में की दुकान लगाता है आरोपी : पुलिस की जांच में सामने आया है कि आरोपी मुन्नालाला का असली नाम सैफ अली है। जो कि मोचीपुरा क्षेत्र में रहता है। नगर पालिका निगम के सामने सड़क पर चश्में की दुकान लगाता है। थाना औद्योगिक क्षेत्र ने आरोपी मुन्नालाला के खिलाफ छेड़खानी, जान से मारने की धमकी समेत अन्य धाराओं में केस दर्ज किया है। आरोपी की गिरफ्तारी नहीं हो पाई है। पुलिस टीम इसकी तलाश कर रही है।

तलाश कर रहे है-टीआई : थाना प्रभारी सत्येंद्र रघुवंशी ने बताया कि छात्रा की शिकायत पर मुन्नालाल नामक युवक के खिलाफ केस दर्ज किया है। आरोपी की तलाश की जा रही है। गिरफ्तारी के बाद पता चलेगा पाउडर कौन सा था।

पुणे-गाजीपुर सिटी होली स्पेशल ट्रेनें चलेंगी

इटारसी सहित कई स्टेशनों पर ठहराव, 24 से सेवाएं शुरू

मीडिया ऑडीटर, इटारसी (निप्र)। होली के त्योहार पर यात्रियों की बढ़ती मांग को देखते हुए रेलवे ने पुणे से गाजीपुर सिटी के बीच विशेष ट्रेनें चलाने का निर्णय लिया है। ये ट्रेनें भोपाल मंडल के इटारसी स्टेशन से होकर गुजरेंगी और विशेष किराए पर संचालित की जाएंगी।

रेलवे द्वारा जारी जानकारी के अनुसार, गाड़ी संख्या 01431 पुणे-गाजीपुर सिटी स्पेशल ट्रेन 24, 27 फरवरी और 3, 6 मार्च 2026 को पुणे से सुबह 6:40 बजे प्रस्थान करेगी। यह ट्रेन रात 9:00 बजे इटारसी पहुंचेगी और अगले दिन गाजीपुर सिटी पहुंचेगी।

इसी तरह, गाड़ी संख्या 01432 गाजीपुर सिटी-पुणे स्पेशल ट्रेन 26 फरवरी, 1, 5 और 8 मार्च 2026 को गाजीपुर सिटी से सुबह 4:20 बजे रवाना होगी। वापसी में यह ट्रेन अगले दिन रात 1:50 बजे इटारसी पहुंचेगी और शाम 4:20 बजे पुणे पहुंचेगी।

इन विशेष ट्रेनों में कुल 18 कोच होंगे, जिनमें 1 एसी द्वितीय श्रेणी, 5 एसी तृतीय श्रेणी, 6 स्लीपर, 4 सामान्य श्रेणी और 2 एसएलआरडी कोच शामिल हैं।

यहां लेगी स्टाप : यह ट्रेन दौंड कॉर्ड लाइन, अहिल्यानगर (अहमदनगर), कोपरगांव, मनमाड, जलगांव, भुसावल, खंडवा, इटारसी, पिपरिया, नरसिंहपुर, मदनमहल, कटनी, मैहर, सतना, मानिकपुर, प्रयागराज छिवकी, वाराणसी, जौनपुर और औंड़िहार जंक्शन जैसे स्टेशनों पर रुकेगी।

दोस्त की शादी में जा रहे तीन युवकों का एक्सीडेंट :एक की मौत ;

स्पीड ब्रेकर पर बाइक बेकाबू हुई, खिमलासा-खुरई रोड पर हादसा

मीडिया ऑडीटर, बीना (निप्र)। खिमलासा थाना क्षेत्र के पथरिया जेगन गांव के पास बीती रात एक सड़क हादसे में बाइक सवार एक युवक की मौत हो गई, जबकि दो अन्य घायल हो गए। यह हादसा स्पीड ब्रेकर पर बाइक के अनियंत्रित होने से हुआ। तीनों युवक ललितपुर से खुरई में एक शादी समारोह में शामिल होने जा रहे थे। मृतक की पहचान ललितपुर, उत्तर प्रदेश के गांधी नगर निवासी आकाश पाल (22) पुत्र मदन पाल के रूप में हुई है। उसके साथ बाइक पर गौरीशंकर विश्वकर्मा और राज पाल भी सवार थे, जो इस घटना में घायल हो गए। जानकारी के अनुसार, शुक्रवार रात तीनों युवक ललितपुर से खुरई अपने एक मित्र की शादी में शामिल होने जा रहे थे। खिमलासा-खुरई रोड पर पथरिया जेगन गांव के पास स्पीड ब्रेकर पर उनकी बाइक अनियंत्रित होकर गिर गई। हादसे में तीनों गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को तत्काल बीना सिविल अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने आकाश पाल को मृत घोषित कर दिया। अन्य दो घायलों को अस्पताल में भर्ती कर उनका इलाज किया जा रहा है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। शनिवार को पुलिस ने पंचनामा कार्रवाई कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

दमोह में मजदूरों से भरा ऑटो पलटा, 7 लोग घायल

फसल कटाई करने जा रहे थे 10 मजदूर, ड्राइवर पर केस दर्ज

मीडिया ऑडीटर, दमोह (निप्र)। दमोह देहात थाना क्षेत्र के नरसिंहगढ़ चौकी अंतर्गत देवलाई गांव में शनिवार दोपहर मजदूरों से भरा एक ऑटो अनियंत्रित होकर पुलिया पर पलट गया। इस हादसे में सात मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

जानकारी के अनुसार, सीतानगर से करीब दस मजदूर फसल कटाई के लिए बमूरा हार जा गांव जा रहे थे। देवलाई की पुलिया पर पहुंचते ही ऑटो अनियंत्रित हो गया और पलट गया। प्रत्यक्षदर्शी जगदीश व्यास ने बताया कि ऑटो चालक कथित तौर पर शराब के नशे में वाहन चला रहा था।

के बाद चीख-पुकार मच गई, जिसके बाद स्थानीय लोग मौके पर जमा हो गए। उन्होंने तुरंत पुलिस को सूचना दी और निजी वाहनों व डायल 112 की मदद से सभी घायलों को दमोह जिला अस्पताल पहुंचाया। सभी घायलों का इलॉज जारी है। पुलिस ने इस मामले में केस दर्ज कर लिया है और जांच शुरू कर दी है। पुलिस ऑटो चालक की तलाश कर रही है, जो घटना के बाद से फरार है। यह ऑटो दिनेश नामदेव का बताया जा रहा है। हादसे में घायल हुए मजदूरों में विनीता पति कलू राजपाल, कुसुम रानी पति राजू खंगार, आशा रानी पति नन्हेंलाल राजपाल, मंजू पति बाबू जोशी, शशि कोरी पति लीला कोरी, श्याम रानी पति परशु जोशी और प्रभा राजपाल पति कमलेश राजपाल शामिल हैं।

बस-वैन में आमने-सामने की भिड़ंत, 5 की मौत

भिंड, एजेंसी। भिंड में शुक्रवार देर रात बस और वैन आमने-सामने भिड़ गए। हादसे में 5 लोगों की मौत हो गई, जबकि 6 अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हैं। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि वैन पूरी तरह पिचक गई। उसमें सवार लोग अंदर ही फंस गए। हादसा गोहद चौराहा थाना अंतर्गत छींमका गांव के पास नेशनल हाईवे-719 पर रात 2.30 बजे हुआ। गोहद चौराहा थाना प्रभारी मनीष धाकड़ के अनुसार, ईको वैन ग्वालियर से सवारियों को लेकर भिंड की ओर आ रहा था, जबकि बस भिंड से ग्वालियर की ओर जा रही थी। हादसे में चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। एक ने अस्पताल ले जाते समय दम तोड़ा। वहीं, घायलों को एम्बुलेंस से ग्वालियर रेफर किया गया। जयारोग्य हॉस्पिटल में उनका इलाज चल रहा है। हादसे में मरने वाले सभी लोगों की पहचान हुई टीआई मनीष धाकड़ ने बताया कि सभी मृतकों की पहचान हो गई है।

बुरहानपुर में रसेल वायपर और कोबरा का रेस्क्यू

नमकीन पैकेट्स के पीछे छिपा था रसेल वायपर, दोनों सांपों को जंगल में छोड़ा

मीडिया ऑडीटर, बुरहानपुर (निप्र)। बुरहानपुर के नेपानगर और हिवरा में दो सांपों का रेस्क्यू किया गया। शनिवार सुबह मनोज टॉकीज क्षेत्र स्थित एक नमकीन सामग्री के गोदाम में रसेल वायपर सांप देखा गया। पेट्रोल पंप के पास स्थित इस गोदाम में सांप की फुंफकार की आवाजें सुनकर लोग सतर्क हो गए।

सूचना मिलने पर सर्प मित्र खेमसिंग राठौर मौके पर पहुंचे। उन्होंने करीब आधे घंटे की मशक्कत के बाद सांप को सुरक्षित रेस्क्यू किया और एक प्लास्टिक डिब्बे में बंद कर दिया। राठौर ने बताया कि इंडियन रसेल वायपर सबसे खतरनाक सांपों में से एक है। इसके काटने से कुछ ही सेकंड में जान खतरे में आ सकती है। यह सांप गोदाम में रखे नमकीन पैकेट्स के पीछे छिपा हुआ था।

हिवरा में ब्लैक कोबरा का रेस्क्यू : ग्राम हिवरा में भी एक ब्लैक कोबरा देखा गया। ग्रामीणों में दहशत फैलने के बाद सर्प मित्र राठौर को इसकी जानकारी दी गई। राठौर देर रात हिवरा पहुंचे और करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद ब्लैक कोबरा का भी रेस्क्यू किया। रेस्क्यू किए गए दोनों सांपों को शनिवार दोपहर जंगल में ले जाकर सुरक्षित स्थान पर छोड़ दिया गया।

रायसेन में तीन रात से रुक-रुक कर बारिश

तापमान गिरने से बढ़ी ठंड, कुछ क्षेत्रों में गेहूं की फसल आड़ी

मीडिया ऑडीटर, रायसेन (निप्र)। रायसेन जिले में पिछले तीन दिनों से रुक-रुक कर बारिश हो रही है और सर्द हवाएं चल रही हैं। इसके चलते तापमान में गिरावट दर्ज की गई है, जिससे ठंड बढ़ गई है। कुछ क्षेत्रों में गेहूं की फसल आड़ी हुई है, हालांकि किसानों का कहना है कि इससे ज्यादा नुकसान नहीं हुआ है। मौसम में यह बदलाव बुधवार दोपहर से शुरू हुआ। गुरुवार और शुक्रवार रात को भी बारिश हुई। दिन और रात के तापमान में गिरावट दर्ज की गई है। शुक्रवार को दिनभर ठंडी हवाएं चलती रहीं और कोहरे की धुंध छा रही, साथ ही बीच-बीच में बूंदाबांदी भी होती रही। जिले में दिन का अधिकतम तापमान 25 डिग्री सेल्सियस और बीती रात का न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इस बारिश से खड़ी गेहूं की फसल को फायदा होने की बात कही जा रही है, लेकिन खेतों में कटी रखी चना और मसूर की फसलों को नुकसान होने की आशंका है। मौसम विशेषज्ञ डॉ. एस. एस. तोमर ने बताया कि दो साइक्लोनिक सर्कुलेशन और पश्चिमी विक्षोभ (वेस्टर्न डिस्टर्बेंस) के सक्रिय होने से जिले के मौसम में यह बदलाव आया है। प्रदेश के कई हिस्सों में भी बारिश हुई है। जिले में कुल 4 लाख 34 हेक्टेयर क्षेत्र में गेहूं, चना और मसूर सहित अन्य फसलों की बोवनी की गई है।

दो दिन की गर्मी फिर रुक-रुक कर बारिश

सीहोर में मौसम बदला, श्यामपुर, आष्टा और जावर में पानी गिरा

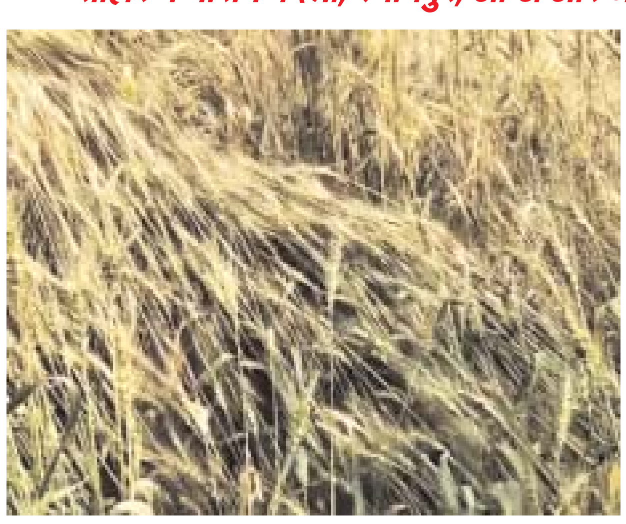

मीडिया ऑडीटर, सीहोर (निप्र)। सीहोर जिले में पिछले तीन दिनों से मौसम में बदलाव देखा जा रहा है। दो दिन की गर्मी के बाद परसों से रुक-रुक कर रिमझिम बारिश हो रही है।

बुधवार को जिले का न्यूनतम तापमान 11 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। पिछले चार दिनों से तापमान 11 से 19 डिग्री सेल्सियस के बीच बना हुआ है।

फरवरी माह के तीसरे सप्ताह में मौसम का मिजाज पहले सप्ताह से काफी अलग है। पहले सप्ताह में जहां घना कोहरा और कड़ाके की ठंड थी, वहीं दूसरे सप्ताह में रात के तापमान में गिरावट दर्ज की गई।

तीसरे सप्ताह की शुरुआत में तेज धूप के कारण दोपहर में गर्मी महसूस होने लगी थी, लेकिन परसों रात से मौसम ने फिर करवट ली।

बुधवार सुबह 9 बजे तक सूर्य की किरणें धरती तक नहीं पहुंच पाई, क्योंकि आसमान में घने बादल छाए हुए थे।

परसों रात से लेकर मंगलवार और बुधवार सुबह भी रिमझिम बारिश हुई, जिससे सुबह के समय ठंड का अहसास हुआ।

जिले में हुई बारिश के आंकड़ों के अनुसार, श्यामपुर में 1.3 मिलीमीटर, आष्टा में 4.0 मिलीमीटर और जावर में 3.0 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई है।

पिछले कुछ दिनों का न्यूनतम तापमान इस प्रकार रहा है ।

10 फरवरी को 12 डिग्री सेल्सियस, 11 फरवरी को 14 डिग्री सेल्सियस, 12 फरवरी को 15 डिग्री सेल्सियस, 13 फरवरी को 13 डिग्री सेल्सियस, 14 फरवरी को 16 डिग्री सेल्सियस, 15 फरवरी को 15 डिग्री सेल्सियस, 16 फरवरी को 18 डिग्री सेल्सियस, 17 फरवरी को 19 डिग्री सेल्सियस, 18 फरवरी को 15 डिग्री सेल्सियस, 19 फरवरी को 11 डिग्री सेल्सियस, 20 फरवरी को 12 डिग्री सेल्सियस और 21 फरवरी को 11 डिग्री सेल्सियस।

नाबालिग से दरिंदगी करने वाले दो आरोपी गिरफ्तार, समान थाना पुलिस ने चंद घंटों में दबिश देकर दबोचा

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। विंध्य की धरा को कलंकित करने वाली एक बेहद शर्मनाक घटना में रीवा की समान थाना पुलिस ने न्याय की मिसाल पेश की है। एक नाबालिग मासूम के साथ दरिंदगी करने वाले दो हैवानों को पुलिस ने वारदात के कुछ ही घंटों के भीतर सलाखों के पीछे धकेल दिया। समान थाना प्रभारी निरीक्षक विजय सिंह के नेतृत्व में की गई इस त्वरित कार्रवाई ने अपराधियों के बीच कड़ा संदेश दिया है कि जिले में कानून का राज कायम है।

अपहरण नशा और फिर सामूहिक हैवानियत: प्राप्त जानकारी के अनुसार, घटना की शुरुआत समान थाना क्षेत्र से हुई। आरोपी कान्हा पांडे और शुभम यादव ने एक सोची-समझी साजिश के तहत नाबालिग को बोलेरो गाड़ी में अगवा किया। हैवानियत की हदें पार करते हुए आरोपी उसे गोविंदगढ़ की सुनसान वादियों में ले गए। वहां आरोपियों ने पीड़िता को जबरन शराब पिलाई और उसकी बेबसी का फायदा उठाते हुए सामूहिक दुष्कर्म (गैंगरेप) किया। वारदात के बाद आरोपी पीड़िता को बदहवास हालत में समान थाना क्षेत्र में ही सड़क किनारे फेंककर फरार हो गए।

पुलिस की सक्रियता-खाकी का दिखा खौफ: पीड़िता ने हिम्मत जुटाकर परिजनों को आपबीती सुनाई, जिसके बाद पूरा परिवार न्याय की गुहार लेकर समान थाने पहुँचा। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए निरीक्षक विजय सिंह ने तत्काल वरिष्ठ अधिकारियों को सूचित किया। बिना एक पल गंवाए पुलिस की एक विशेष टीम गठित की गई। तकनीकी साक्ष्य और मुखबिर तंत्र की मदद से पुलिस ने आरोपियों का पीछा किया और महज कुछ ही घंटों के भीतर कान्हा पांडे और शुभम यादव को उनके ठिकानों से गिरफ्तार कर लिया।

कठोर कानूनी शिकंजा: पुलिस ने आरोपियों के विरुद्ध पॉक्सो एक्ट और सामूहिक दुष्कर्म की संगीन धाराओं में मामला दर्ज किया है। पुलिस का कहना है कि वे इस केस को फास्ट ट्रैक कोर्ट में ले जाने की तैयारी कर रहे हैं।

महिला सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। महिला संबंधी अपराधों पर हमारी जीरो टॉलरेंस की नीति है। हमने तत्काल टीम भेजकर कान्हा पांडे और शुभम यादव को गिरफ्तार किया है। हम पुख्ता साक्ष्य जुटा रहे हैं ताकि इन दरिंदों को फांसी के फंदे या उम्रकैद तक पहुँचाया जा सके।

विजय सिंह, थाना प्रभारी (समान)

वाहन ने बाइक को मारी टक्कर, एक की मौत

दमोह में दो लोग गंभीर घायल, शादी में शामिल होने जा रहे थे

मीडिया ऑडीटर, दमोह (निप्र)। दमोह के तेजगढ़ क्षेत्र में शुक्रवार रात एक अज्ञात वाहन ने बाइक सवार तीन युवकों को टक्कर मार दी। इस हादसे में एक युवक की मौत हो गई, जबकि उसके दो साथी गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

शादी में शामिल होने जा रहे थे : मृतक की पहचान तेजगढ़ थाना क्षेत्र के सागौनी कला निवासी रतन सिंह गौड़)35) के रूप में हुई है। रतन सिंह पेशे से शादी समारोहों में गाना बजाने का काम करते थे। वह शुक्रवार रात अपने दो अन्य साथियों के साथ एक शादी समारोह में शामिल होने जा रहे थे, तभी तेजगढ़ स्थित शराब दुकान के पास यह हादसा हुआ। इलाज के दौरान एक की मौत टक्कर के बाद तीनों घायल सड़क पर पड़े थे। पुलिस की मदद से उन्हें जिला अस्पताल पहुंचाया गया।

44वाँ बैच रहा विजेता, मध्यप्रदेश पुलिस अकादमी भोपाल में प्रशिक्षु उप पुलिस अधीक्षकों के बीच मैत्री वॉलीबाल मैच आयोजित

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (निप्र)। मध्यप्रदेश पुलिस अकादमी, भौंरी भोपाल में प्रशिक्षणरत 44वें एवं 45वें बैच के प्रशिक्षु उप पुलिस अधीक्षकों के बीच मैत्री वॉलीबाल मैच का आयोजन किया गया। यह आयोजन अकादमी के उप निदेशक श्री संजय कुमार अग्रवाल के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ। इस खेल प्रतियोगिता का उद्देश्य प्रशिक्षुओं के बीच टीम भावना का निर्माण करना तथा नेतृत्व क्षमता के गुणों का विकास करना था।

आयोजन में पुलिस अधीक्षक, पीटीएस भौंरी यास्मिन जहरा, सहायक निदेशक (बाह्य प्रशिक्षण) ज्योति उमठ बघेल, उप पुलिस अधीक्षक तिलकराज, प्रधान आरक्षक नारायण चौधरी, अमरीश पटेल और अकादमी का समस्त स्टाफ, प्रशिक्षु उप पुलिस अधीक्षक और पुलिस फैमिली लाइन के परिवारजन भी उपस्थित रहे।

प्रतियोगिता में 44वें बैच की पुरुष एवं महिला टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए विजेता का खिताब जीता। वहीं 45वें बैच की पुरुष एवं महिला टीम उप विजेता रही। यह आयोजन प्रशिक्षुओं के बीच आपसी समन्वय, अनुशासन, खेल भावना और नेतृत्व कौशल को बढ़ावा देने में सहायक सिद्ध हुआ।

इस मैच ने न केवल शारीरिक फिटनेस और मानसिक सहनशक्ति को बढ़ाया, बल्कि प्रतियोगिता के माध्यम से पुलिस कर्मियों को एक दूसरे के साथ मिलकर काम करने और नेतृत्व क्षमता को निखारने का महत्वपूर्ण अवसर प्रदान किया।

इस आयोजन में प्रशिक्षुओं ने उत्कृष्ट खेल का प्रदर्शन किया और सभी ने एक दूसरे को सम्मान देते हुए अपनी टीमों का उत्साहवर्धन किया। यह आयोजन मध्यप्रदेश पुलिस अकादमी की परंपरा को आगे बढ़ाते हुए प्रशिक्षु उप पुलिस अधीक्षकों के समग्र विकास में सहायक सिद्ध हुआ।

इशान समेत 3 खिलाड़ी अब भारत के लिए होंगे अहम

संजय बांगड़ ने नहीं लिया वरुण, हार्दिक या शिवम दुबे का नाम

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व खिलाड़ी व बैटिंग कोच संजय बांगड़ ने टी20 वर्ल्ड कप 2026 के बाकी बचे मैचों के लिए उन 3 खिलाड़ियों के नाम लिए जो अब टीम इंडिया के लिए अहम होंगे। हालांकि इसके लिए उन्होंने अभिषेक शर्मा, वरुण चक्रवर्ती, हार्दिक पंड्या या फिर शिवम दुबे का नाम नहीं लिया। डिफेंडिंग चैंपियन भारत अपने सुपर 8 कैंपेन की शुरुआत 22 फरवरी को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में पिछले सीजन के फाइनलिस्ट साउथ अफ्रीका के खिलाफ करेगी। इसके बाद टीम इंडिया 26 फरवरी को चेन्नई में जिम्बाब्वे और फिर एक मार्च को कोलकाता में वेस्टइंडीज से भिड़ेगी।

इशान, सूर्यकुमार, बुमराह होंगे सबसे अहम- खिताब के लिए भारत की असली लड़ाई 22 फरवरी से शुरू होगी और भारत के पूर्व बैटिंग कोच संजय बांगड़ ने इशान किशन को तीन सबसे

अहम खिलाड़ियों में पहले नंबर पर चुना। स्टार स्पोर्ट्स पर संजय बांगड़ ने कहा कि यहां से तीन खिलाड़ी जो भारत के लिए अहम होने वाले हैं उसमें इशान किशन सबसे अहम हैं। वो अभिषेक शर्मा के नहीं चलने पर भी भारत के लिए जिस तरह से रन बना रहे हैं उन पर टीम को अच्छी शुरुआत देने की जिम्मेदारी है और वो नंबर एक खिलाड़ी हैं।

संजय बांगड़ ने आगे कहा कि इन तीन खिलाड़ियों में मेरे लिए दूसरे नंबर पर टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव हैं। उन्होंने ज्यादातर मैचों में टीम के लिए रन बनाए हैं और वो मैच की परिस्थिति को समझते हैं। मेरे लिए तीसरे खिलाड़ी जसप्रीत बुमराह होंगे।

उन्होंने आगे कहा कि हर कोई इस इंडियन टीम के स्पिन पहलू के बारे में बात कर रहा हूं, लेकिन मेरा मानना है कि जब मैच दांव पर होगा तो बॉलिंग के मामले में बुमराह अहम भूमिका निभाएंगे।

'इंडियन वेल्स टूर्नामेंट': 45 साल की वीनस विलियम्स को मिली वाइल्ड कार्ड एंट्री

नई दिल्ली, एजेंसी। दिग्गज अमेरिकी टेनिस खिलाड़ी और 7 बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन वीनस विलियम्स को इस साल के इंडियन वेल्स टूर्नामेंट में वाइल्ड कार्ड एंट्री मिली है। टूर्नामेंट के आयोजकों ने वीनस को वाइल्ड कार्ड एंट्री दिए जाने की पुष्टि की है। 1-15 मार्च तक दक्षिणी कैलिफोर्निया में होने वाले इस टूर्नामेंट में वीनस विलियम्स एकल और डबल्स दोनों श्रेणियों में हिस्सा लेंगी। वाइल्ड कार्ड एंट्री मिलने से उत्साहित वीनस विलियम्स ने कहा, 'इंडियन वेल्स वापस जाना और कैलिफोर्निया में अपने घर लौटना बहुत अच्छा है। जबरदस्त फैंस के सामने खेलने जैसा कुछ नहीं है। मैंने इतने सालों में यहां बहुत सारी यादें बनाई हैं। मैं आयोजकों की शुक्रगुजार हूं कि उन्होंने मुझे वापस बुलाया। '

पूर्व वर्ल्ड नंबर वन और चार बार की ओलंपिक गोल्ड मेडलिस्ट विलियम्स ने पहले भी इंडियन वेल्स में काफी सफलता हासिल की है। वह तीन बार सेमीफाइनल तक पहुंची हैं। आखिरी बार 2024 में वाइल्ड कार्ड एंट्री के माध्यम से ही उन्होंने टूर्नामेंट में हिस्सा लिया था।

45 साल की विलियम्स ने 2026 का कैंपेन ऑस्ट्रेलियन ओपन से शुरू किया था। उन्हें वाइल्ड कार्ड एंट्री मिली थी। हालांकि, वह पहले दौर से ही बाहर हो गई थीं, लेकिन ओपन एरा में ऑस्ट्रेलियन ओपन में हिस्सा लेने वाली सबसे उम्रदराज खिलाड़ी होने का रिकॉर्ड उन्होंने अपने नाम कर लिया।

विलियम्स ने शुरुआती सेट में कड़ा मुकाबला जीता, लेकिन दूसरे सेट में डैनिलोविच ने बेसलाइन से वापसी की। सर्बियाई खिलाड़ी ने डिसाइडर में भी अपना नियंत्रण बनाए रखा, और अहम मौकों पर विलियम्स की सर्विस तोड़कर मैच अपने नाम कर लिया। हार के बावजूद, विलियम्स ने नौ एस और फर्स्ट-सर्व पॉइंट्स पर 71 प्रतिशत सफलता दर से सबको प्रभावित किया। हालांकि पांच डबल फॉल्ट महंगे साबित हुए।

साल दर साल जी रहा हूं, दिसंबर 2026 तक संन्यास ले सकता हूं: नेमार

नई दिल्ली, एजेंसी। ब्राजील के दिग्गज फुटबॉलर नेमार का करियर चोटों की वजह से प्रभावित रहा है। इंजरी से परेशान नेमार फुटबॉल को अलविदा कहने की सोच रहे हैं। नेमार ने शुक्रवार को ब्राजील के ऑनलाइन चैनल केज पर फुटबॉल से संन्यास लेने की संभावना जताई। उन्होंने कहा, ÷मुझे नहीं पता कि अब से क्या होगा। मुझे अगले साल के बारे में भी नहीं पता। हो सकता है कि जब दिसंबर आए, तो मैं रिटायर होना चाहूं। मैं अब साल दर साल जी रहा हूं। नेमार ने कहा, यह वर्ल्ड कप का साल है। इसलिए बहुत जरूरी है। ब्राजील की राष्ट्रीय टीम के साथ-साथ मेरे लिए भी।÷ 34 साल के हो चुके नेमार ने पिछले महीने अपने बचपन के क्लब सैंटोस के साथ अपने अनुबंध का नवीनीकरण किया था। नेमार जनवरी 2025 में सैंटोस लौटे और टीम को ब्राजील की टॉप टीम बने रहने में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने सीजन के आखिरी पांच मैचों में पांच गोल किए।

नेमार की हाल ही में घुटने की सफल सर्जरी हुई थी। वह बार-बार होने वाली चोटों से जूझ रहे हैं। इंजरी ने उनके करियर पर असर डाला है। ब्राजील के लिए अब तक के सबसे ज्यादा 79 गोल करने वाले नेमार अक्टूबर 2023 के बाद से राष्ट्रीय टीम के लिए नहीं खेले हैं। इससे आने वाले फुटबॉल विश्व कप में भी उनके खेलने पर सवाल है।

ब्राजील के मैनेजर कार्लो एंसेलोटी ने पिछले साल बार-बार कहा है कि 2026 वर्ल्ड कप के लिए सिर्फ पूरी तरह से फिट खिलाड़ियों पर ही विचार किया जाएगा। विश्व कप 11 जून से 19 जुलाई तक कनाडा, मैक्सिको और यूनाइटेड स्टेट्स में खेला जाना है।

नेमार ने 18 साल की उम्र में 2010 में ब्राजील की फुटबॉल टीम के लिए खेलना शुरू किया था। उस समय उनकी प्रतिभा को देखते हुए उन्हें दुनिया का अगला बड़ा सितारा माना जा रहा था। कई मौकों पर नेमार ने अपनी असाधारण प्रतिभा दिखाई भी, लेकिन इंजरी ने उनके करियर को बुरी तरह प्रभावित किया है। इंजरी ने उनके कई महत्वपूर्ण साल खराब किए और इस दौरान उनसे जूनियर रहे खिलाड़ी काफी आगे निकल गए।

एडम जम्पा ने चार विकेट लेकर बनाया वर्ल्ड रिकॉर्ड

- **पाकिस्तानी खिलाड़ी सईद अजमल को छोड़ा पीछे; क्रिस गेल का रिकॉर्ड भी तोड़ा**

नई दिल्ली, एजेंसी। एडम जम्पा ने ओमान के खिलाफ 4 विकेट लिए और प्लेयर ऑफ द मैच भी बने। एडम जम्पा ने इन 4 विकेट की मदद से कई शानदार रिकॉर्ड्स भी अपने नाम किया

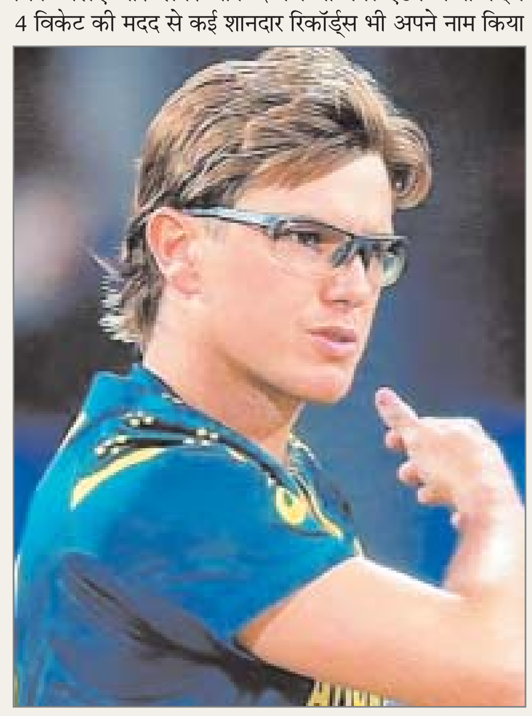

और कई दिग्गज खिलाड़ियों को पीछे छोड़ने में सफलता हासिल की। ऑस्ट्रेलिया के स्पिनर एडम जम्पा ने टी20 वर्ल्ड कप 2026 में अपनी टीम के लिए आखिरी लीग मैच में ओमान के खिलाफ गजब का प्रदर्शन किया और 4 विकेट लेकर एक बड़ा वर्ल्ड रिकॉर्ड अपने नाम दर्ज करा दिया। यही नहीं जम्पा ने ओमान के खिलाफ 4 विकेट लिए और वो अब टी20 वर्ल्ड कप में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाजों की सूची में दूसरे नंबर पर आ गए। जम्पा ने 4 विकेट लेकर राशिद खान का रिकॉर्ड तोड़ दिया।

जपा ने सईद अजमल समेत 4 खिलाड़ियों का रिकॉर्ड तोड़ा

एडम जम्पा ने ओमान के खिलाफ 3.2 ओवर में 21 रन देकर 4 विकेट लिए। जम्पा की इस घातक गेंदबाजी के दम पर ऑस्ट्रेलिया ने ओमान को 16.2 ओवर में 104 रन पर समेट दिया। ओमान के खिलाफ 4 विकेट लेने के बाद जम्पा अब टी20 वर्ल्ड कप में किसी एक मैच में सबसे ज्यादा बार 4 विकेट लेने वाले गेंदबाजों की लिस्ट में पहले नंबर पर आ गए। जम्पा ने टी20 वर्ल्ड कप में एक मैच में 4 विकेट लेने का कमाल चौथी बार किया और वो सईद अजमल, शाकिब अल हसन, राशिद खान और एनरिच नॉर्खिया से आगे निकल गए थे जिन्होंने 3-3 बार ऐसा किया था।

T20 WC में सबसे ज्यादा 4 विकेट लेने वाले गेंदबाज

- 4 - एडम जम्पा
- 3 - शाकिब अल हसन
- 3 - सईद अजमल
- 3 - राशिद खान
- 3 - एनरिच नॉर्खिया

राशिद खान का जम्पा ने तोड़ा रिकॉर्ड

एडम जम्पा ने ओमान के खिलाफ 4 विकेट लिए और वो अब टी20 वर्ल्ड कप में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाजों की लिस्ट में दूसरे नंबर पर आ गए। एडम जम्पा ने टी20 वर्ल्ड कप में अब तक कुल 44 विकेट लिए हैं जबकि राशिद खान ने कुल 43 विकेट लिए थे। इस लिस्ट में 50 विकेट के साथ शाकिब अल हसन पहले स्थान पर मौजूद हैं।

सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज

- 50 विकेट - शाकिब अल हसन
- 44 विकेट - एडम जम्पा
- 43 विकेट - राशिद खान
- 40 विकेट - वानिंदु हसरंगा
- 39 विकेट - शाहिद अफरीदी

जम्पा ने तोड़ा 3 दिग्गजों का रिकॉर्ड

जम्पा ने ओमान के खिलाफ 4 विकेट लिए और कंगारू टीम को इस मैच में 9 विकेट से जीत मिली। जम्पा को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया और वो टी20 वर्ल्ड कप में सबसे ज्यादा प्लेयर ऑफ द मैच बनने वाले दूसरे खिलाड़ी बने। जम्पा ने 5वीं बार ये खिताब जीता और उन्होंने क्रिस गेल, महेला जयवर्धने, शेन वॉटसन का रिकॉर्ड तोड़ा दिया जिन्होंने 5-5 बार ये खिताब जीते थे।

सबसे ज्यादा प्लेयर ऑफ द मैच

- 8 - विराट कोहली
- 6 - एडम जम्पा
- 5 - क्रिस गेल
- 5 - महेला जयवर्धने
- 5 - शेन वॉटसन

बाबर आजम का न्यूजीलैंड के खिलाफ रिकॉर्ड शानदार, पाकिस्तान को इन तीन कीवी बल्लेबाजों से बचना होगा

कोलंबो, एजेंसी । टी20 विश्व कप 2026 का पहला सुपर-8 मैच पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच आर. प्रेमदासा स्टेडियम में खेला जाना है। इस मैच पर भारी बारिश का खतरा है, लेकिन अगर मैच होता है, तो इसके रोमांचक होने की पूरी संभावना है। मैच होने की स्थिति में पाकिस्तान के पूर्व कप्तान बाबर आजम के साथ ही न्यूजीलैंड के तीन बल्लेबाजों पर नजर रहेगी। बाबर आजम टी20 विश्व कप 2026 में अब तक कोई प्रभावशाली पारी नहीं खेल सके हैं। न्यूजीलैंड के खिलाफ उनका रनों का सूखा समाप्त हो सकता है। दरअसल, बाबर आजम का न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 में बेहतरीन रिकॉर्ड रहा है। वह दोनों देशों के बीच अब तक खेले गए टी20 मुकाबलों में शीर्ष स्कोरर हैं।

बाबर आजम ने न्यूजीलैंड के खिलाफ अब तक 26 टी20 मैचों में 24 पारियों में 41.90 की औसत और 131.93 की स्ट्राइक रेट से 880 रन बनाए हैं। इस दौरान उनके बल्ले से 1 शतक और 8 अर्धशतक निकले हैं। सर्वाधिक स्कोर नाबाद 101 है। न्यूजीलैंड के खिलाफ बाबर के पास फिर से अपनी फॉर्म हासिल करने का मौका है।

बाबर आजम के अलावा फखर जमां दूसरे ऐसे बल्लेबाज हैं जिनके पास न्यूजीलैंड के खिलाफ खेलने का अच्छा अनुभव है और उनका रिकॉर्ड भी अच्छा है। फखर ने 17 मैचों की 16 पारियों में 3 अर्धशतक की मदद से 439 रन बनाए हैं। उनका स्ट्राइक रेट 134.25 रहा है। हालांकि, फखर इस विश्व कप में पाकिस्तान की प्लेइंग इलेवन में जगह बनाने में कामयाब नहीं रहे हैं।

पाकिस्तान को न्यूजीलैंड के तीन बल्लेबाजों से

बचना होगा। लंबे समय से पाकिस्तान के खिलाफ टी20 में अच्छा प्रदर्शन कर रहे ये तीनों खिलाड़ी विश्व कप में न्यूजीलैंड की प्लेइंग इलेवन का नियमित हिस्सा हैं।

मार्क चैपमेन ने पाकिस्तान के खिलाफ 25 मैचों की पारियों में 1 शतक और 4 अर्धशतक की मदद से 663 रन बनाए हैं। उनका स्ट्राइक रेट 161.70 है और सर्वाधिक स्कोर नाबाद 104 है।

चैपमेन के अलावा पाकिस्तान को न्यूजीलैंड के दोनों ओपनरों से सावधान रहना होगा।

टिम साइफर्ट ने 19 मैचों की 19 पारियों में 153.98 की स्ट्राइक रेट से 579 रन बनाए हैं। नाबाद 97 उनका सर्वाधिक स्कोर है। वहीं, फिन एलेन ने 14 मैचों की 14 पारियों में 1 शतक और 3 अर्धशतक की मदद से 510 रन बनाए हैं। उनका स्ट्राइक रेट 190 से ऊपर है, जबकि सर्वाधिक स्कोर 137 है।

माइक टायसन के खिलाफ एग्ज़िबिशन मुकाबले के बाद संन्यास तोड़ेंगे फ्लॉयड मेवेदर

लॉस एंजेलिस, एजेंसी। पूर्व विश्व चैंपियन मुक्केबाज फ्लॉयड मेवेदर ने शुक्रवार को घोषणा की है कि वह माइक टायसन के खिलाफ एग्ज़िबिशन मुकाबले के बाद पेशेवर बॉक्सिंग में वापसी करेंगे। 48 वर्षीय मेवेदर ने 2017 में 50 मुकाबलों में अपराजित रहते हुए संन्यास लिया था, हालांकि इसके बाद उन्होंने कई प्रदर्शनी मुकाबलों में हिस्सा लिया।

मेवेदर ने एक बयान में कहा कि उनके पास अभी भी बॉक्सिंग में नए रिकॉर्ड बनाने की क्षमता है। उन्होंने दावा किया कि माइक टायसन के साथ होने वाले मुकाबले से लेकर अपने अगले पेशेवर फाइट तक, उनके इवेंट्स सबसे ज्यादा दर्शक, वैश्विक प्रसारण और कमाई दर्ज करेंगे। रिपोर्ट्स के अनुसार, उनका पहला पेशेवर मुकाबला इस गर्मी में प्रस्तावित है, हालांकि प्रतिद्वंद्वी के नाम की घोषणा अभी नहीं की गई है। विस्तृत जानकारी आने वाले हफ्तों में साझा की जाएगी।'मनी' के नाम से मशहूर मेवेदर कभी दुनिया के सबसे ज्यादा कमाई करने वाले खिलाड़ी रहे हैं। वर्ष 2015 में उनकी कमाई 300 मिलियन अमेरिकी डॉलर बताई गई थी। अपने करियर के चरम पर उन्हें पाउंड-फॉर-पाउंड श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ माना जाता था और उन्होंने एक दशक से अधिक समय तक वेल्टरवेट डिवीजन में दबदबा बनाए रखा।

हालांकि, मेवेदर का करियर विवादों से भी जुड़ा रहा। उनकी रक्षात्मक शैली को लेकर आलोचना हुई और कुछ लोगों ने उन पर कठिन प्रतिद्वंद्वियों से बचने के आरोप लगाए। घरेलू हिंसा के मामलों में उन्हें जेल की सजा भी काटनी पड़ी। इसके बावजूद उनकी फिटनेस, अनुशासन और खेल समझ ने उन्हें रिंग में सम्मान दिलाया। मेवेदर का आखिरी पेशेवर मुकाबला 2017 में यूएफसी स्टार कॉनर मैकग्रेगर के खिलाफ था।

ग्रुप स्टेज में इन चार छोटी टीमों का प्रदर्शन रहा दमदार, जिबावे ने किया सबसे ज्यादा प्रभावित

नई दिल्ली, एजेंसी। टी20 विश्व कप 2026 का ग्रुप स्टेज अपने अंतिम पड़ाव पर है। ग्रुप स्टेज में कई बड़े उलटफेर देखने को मिले। जिम्बाब्वे ने अपने प्रदर्शन से हर किसी को खासा प्रभावित करते हुए सुपर 8 में अपनी जगह बनाई। वहीं, अपने पहले ही विश्व कप में इटली की टीम भी छाप छोड़ने में सफल रही। अफगानिस्तान और अमेरिका ने भी अपने दमदार खेल के बूते फैंस का दिल जीता। भारत और श्रीलंका की संयुक्त मेजबानी में खेले जा रहे टी20 विश्व कप में जिम्बाब्वे ने ग्रुप स्टेज में ही दो बड़े उलटफेर किए। सिकंदर रजा की कप्तानी में जिम्बाब्वे ने आईसीसी टूर्नामेंट की सबसे मजबूत टीम मानी जाने वाली ऑस्ट्रेलिया को 23 रनों से शिकस्त दी। ये विश्व कप 2026 का पहला बड़ा उलटफेर था, जिसने कंगारूओं को बाहर का रास्ता दिखाने में अपनी भूमिका निभाई। वहीं, ग्रुप स्टेज के अपने आखिरी मुकाबले में जिम्बाब्वे ने सह-मेजबान श्रीलंका को भी 6 विकेट से हराया। टूर्नामेंट में चार ग्रुप मैचों में जिम्बाब्वे का बैटिंग ऑर्डर काफी दमदार नजर आया है। ब्रायन बेनेट के बल्ले से लगातार रन निकल रहे हैं। वह 3 मैचों में 175 रन बना चुके हैं। कप्तान सिकंदर रजा बल्ले और गेंद दोनों से अहम योगदान दे रहे हैं।

ऑस्ट्रेलिया का वर्ल्ड कप में सफर खत्म

ओमान 9 विकेट से हारा; मार्श ने लगाया तूफानी अर्धशतक, जम्पा ने लिए 4 विकेट

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया ने टी20 वर्ल्ड कप 2026 के अपने आखिरी लीग मैच में ओमान को कप्तान मिचेल मार्श की नाबाद अर्धशतकीय पारी और एडम जम्पा के 4 विकेट की मदद से 9 रन से हरा दिया। इस जीत के साथ ही ऑस्ट्रेलिया का टी20 वर्ल्ड कप 2026 में सफर खत्म हो गया। हालांकि ऑस्ट्रेलिया इस मुकाबले से पहले ही सेमीफाइनल की होड़ से बाहर हो चुका था।

इस मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया था और फिर ओमान की टीम पहली पारी में पूरे 20 ओवर भी नहीं खेल पाई। ओमान ने 16.2 ओवर में 104 रन बनाए। ऑस्ट्रेलिया को जीत के लिए 105 रन का लक्ष्य मिला था जिसे इस टीम ने 9.4 ओवर में एक विकेट पर 108 रन बनाकर हासिल कर लिया और मैच जीत लिया।

ऑस्ट्रेलिया ने इस सीजन में अपने 4 लीग मैचों में से 2 मैच जीते और 2 में उसे हार मिली। 4 अंक के साथ कंगारू टीम ग्रुप बी में तीसरे स्थान पर रही और उनका सफर इस जीत के साथ ही समाप्त हो गया।

ओमान के खिलाफ 4 विकेट लेने वाले एडम जम्पा को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

मिचेल मार्श ने खेली नाबाद 64 रन की पारी- ऑस्ट्रेलिया को जीत के लिए 105 रन का आसान टारगेट मिला था और टीम के कप्तान मिचेल मार्श ने इस टीम के खिलाफ बेहद तेज पारी खेली। मार्श ने 33 गेंदों पर नाबाद 64 रन की पारी खेली और इस दौरान उन्होंने 4 छक्के और 7 चौके भी लगाए। मार्श ने 193.94 की स्ट्राइक रेट से रन बनाए और पहले विकेट के लिए ट्रेविस हेड के साथ मिलकर 49 गेंदों पर 93 रन की साझेदारी की। हेड ने 19 गेंदों पर 32 रन बनाए जबकि जोश इंग्लिश 6 गेंदों पर 12 रन बनाकर नाबाद रहे।

एडम जम्पा ने झटके 4 विकेट- एडम जम्पा ने कंगारू टीम के खिलाफ काफी अच्छी गेंदबाजी की और 3.2 ओवर में 21 रन देकर 4 विकेट भी लिए। जम्पा के अलावा कंगारू टीम के लिए ग्लेन मैक्सवेल ने 3 ओवर में 13 रन देकर 2 विकेट लिए जबकि जेवियर बार्टलेट को भी 2 सफलता मिली। इनके अलावा मार्कस स्टोइनिस और नाथन एलिस को एक-एक सफलता मिली। ओमान के लिए वसीम अली ने सबसे बड़ी 32 रन की पारी खेली।

फोटो निर्वाचक नामावली विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) 2026 का हुआ अंतिम प्रकाशन

5 विधानसभा क्षेत्रों में 11 लाख 83 हजार 382 मतदाता

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी संशोधित कार्यक्रम के अनुसार सतना जिले की सभी पांच विधानसभा क्षेत्रों में 1 जनवरी 2026 के मान से विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) 2026 के तहत अंतिम निर्वाचन नामावली का प्रकाशन 21 फरवरी को कर दिया गया है। अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी विकास सिंह की अध्यक्षता में शनिवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों की स्टैण्डिंग कमेटी की बैठक में बताया गया कि सतना जिले की पांच विधानसभा क्षेत्रों में विशेष गहन पुनरीक्षण के पश्चात कुल 11 लाख 83 हजार 382 मतदाता है। जिनमें 6 लाख 24 हजार 561 पुरूष, 5 लाख 58 हजार 814 महिला और 7 थर्ड जेंडर मतदाता शामिल है। इस मौके पर इलेक्शन सुपरवाइजर द्वारिकेन्द्र सिंह, केबी त्रिपाठी तथा राजनैतिक दलों से रमाकांत गौतम, मो. साबिर खान, विनोद अग्रवाल, रोहित पाण्डेय, डॉ. लखनलाल साहू, दुर्गेश चौरसिया उपस्थित थे। उप जिला निर्वाचन अधिकारी विकास सिंह ने बताया कि निर्वाचक नामावली के विशेष गहन पुनरीक्षण 2026 के लिए भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी संशोधित कार्यक्रमानुसार अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन सतना जिले की विधानसभा क्षेत्र 61 चित्रकूट, 62 रैगांव, 63 सतना, 64 नागौद और 67 रामपुर बघेलान के समस्त मतदान केन्द्रों में बीएलओ द्वारा विहित स्थानों पर 21 फरवरी को कर दिया गया है। सतना जिले में अब तक कुल मतदान केन्द्रों की संख्या 1376 से बढकर 1522 हो गई है। गहन पुनरीक्षण के संबंध में जानकारी देते हुए उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि पुनरीक्षण की कार्यवाही शुरू होने से पहले सतना जिले के 5 विधानसभा क्षेत्रों के 1376 मतदान केन्द्रों में कुल 12 लाख 19 हजार 494 मतदाता सूची में शामिल थे। गहन पुनरीक्षण के दौरान 11 लाख 60 हजार 682 मतदाता के गणना पत्रक डिजिटाइज्ड किये गये। डिजिटाइजेशन के बाद प्रारूप मतदाता सूची पर 23 दिसम्बर से 22 जनवरी तक दावा-आपत्तियां प्राप्त पर निराकरण किया गया। जिनमें फार्म 6 के 27 हजार 826, फार्म 7 के 6638 और फार्म 8 के 7569 दावे स्वीकृत किये गये। गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) 2026 के दौरान कुल 58 हजार 812 एएसडीआर मतदाताओं के रूप में मिले। जिनमें मृत मतदाता 16 हजार 47, अनुपस्थित मतदाता 4453, स्थाई रूप से स्थानान्तरित मतदाता 35605 है।

लुटेरों ने ट्रक चालक को गोली मारी, रामपथ गमन के कुंदहरी के पास की घटना रीवा रेफर

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। रामपथ गमन मार्ग पर कुंदहरी के पास गुरुवार-शुक्रवार की दरमियानी रात लूट और गोलीबारी की घटना हुई। बदमाशों ने एक ट्रक चालक को गोली मारकर घायल कर दिया। घायल चालक का इलाज रीवा के अस्पताल में चल रहा है। जानकारी के अनुसार, मऊगंज जिले के तरहड़ निवासी 26 वर्षीय मो. तस्लीम अपने ट्रक (सीजी-07 सीजी 7990) में खाली कैरेट लेकर चित्रकूट से बुरहानपुर जा रहे थे। रात करीब डेढ़ बजे रामपथ गमन (मैहर-सतना रोड) स्थित कुंदहरी के पास उनके ट्रक के अगले बाएं पहिए में लोहे की कील घुस गई, जिससे टायर पंचर हो गया। तस्लीम ट्रक रोककर पहिए से कील निकालने लगे, तभी पीछे से एक बदमाश आया और उनसे पैसे मांगने लगा। बदमाश ने अचानक तस्लीम से हाथापाई शुरू कर दी और उनकी जेब से तीन हजार रुपए छीन लिए। लूट का विरोध करते हुए तस्लीम ट्रक की केबिन से लोहे की रॉड लेकर बदमाश की ओर दौड़े। इसी दौरान बदमाश ने कट्टे से फायर कर दिया। गोली तस्लीम के बाएं हाथ में कंधे के नीचे लगी। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया। घायल चालक ने राह से गुजर रहे बारातियों की एक पिकअप रुकवाई और सतना पहुंचकर अपने परिजनों व पुलिस को सूचना दी जिला अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने उन्हें गंभीर हालत में रीवा स्थित संजय गांधी अस्पताल रेफर कर दिया। घायल के परिजनों ने बताया कि ऑपरेशन कर हाथ में फंसी गोली निकाल ली गई है, लेकिन उनकी हालत अभी भी गंभीर बनी हुई है।

अस्पताल का अंतिम मूल्यांकन,टीम ने बिस्तरों पर साफ चादरें पाईं; अतिक्रमण पर जताई नाराजगी

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। कायाकल्प अभियान के तहत शुक्रवार को सरदार वल्लभभाई पटेल शासकीय जिला चिकित्सालय का अंतिम मूल्यांकन किया गया। इस दौरान अस्पताल की व्यवस्थाएं चुस्त-दुरुस्त नजर आईं। मूल्यांकन टीम में एनएचएम भोपाल के क्वॉलिटी एनालिस्ट डॉ. पंकज बुधौलिया, शिवपुरी जिला अस्पताल के डॉ. रामकुमार चौधरी और अकीला अंसारी शामिल थे। टीम ने निर्धारित चेकलिस्ट के अनुसार अस्पताल के सभी विभागों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान बिस्तरों पर साफ-सुथरी चादरें बिछी मिलीं। वार्डों में बेहतर साफ-सफाई दिखी और नर्सिंग ऑफिसर सहित पूरा स्टाफ प्रोटोकॉल का पालन करता पाया गया। सफाईकर्मी लगातार अपना कार्य कर रहे थे। हालांकि टीम ने अस्पताल के मेन गेट के आसपास अतिक्रमण और गंदगी पर नाराजगी व्यक्त की। करीब 70 वर्ष पुराने अस्पताल भवन की दीवारों पर जमी धूल और जर्जर स्थिति को लेकर भी सुधार की आवश्यकता बताई गई। टीम के सदस्यों ने वार्डों के निरीक्षण के दौरान किसी अधिकारी या कर्मचारी से सीधे बातचीत नहीं की, बल्कि केवल व्यवस्थाओं का अवलोकन कर मूल्यांकन किया। वार्डों में पदस्थ पैरामेडिकल स्टाफ से विभिन्न स्वास्थ्य सुविधाओं के संचालन का प्रदर्शन (डेमो) कराया गया। कुछ स्थानों पर स्टाफ अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर सका। निरीक्षण के अंतिम चरण में 8 प्रमुख क्षेत्रों से संबंधित दस्तावेजों का सत्यापन किया गया। अधिकारियों के अनुसार, पहले के मूल्यांकन में चिन्हित किए गए गैप इस बार पूरे कर लिए गए थे। इस मूल्यांकन का अंतिम स्कोर लगभग 15 दिन बाद जारी किया जाएगा। मूल्यांकन के दौरान सीएमएचओ डॉ. मनोज शुक्ला, सिविल सर्जन डॉ. अमर सिंह, डीपीएम राकेश कर्ष, आरएमओ डॉ. शरद दुबे, क्वालिटी नोडल अधिकारी डॉ. विजेता राजपूत, सहायक प्रबंधक डॉ. धीरेन्द्र वर्मा, स्टूवर्ड जीएस तिवारी, मेट्रन किरण सिंह, लक्ष्मी गुप्ता, शांति प्रजापति और विनोद दहायत मौजूद रहे।

सेंट्रल सिंधी पंचायत द्वारा ग़मी परिवारों के साथ होली 'गुल गुलाल' 2 मार्च को

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सेंट्रल सिंधी पंचायत की मुख्य शाखा एवं क्षेत्रीय मुख्य सेवा प्रभारियों की एक महत्वपूर्ण बैठक संस्था अध्यक्ष मनोहर वाधवानी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में आगामी 2 मार्च को आयोजित होने वाले पारंपरिक 'गुल गुलाल' कार्यक्रम की रूपरेखा पर विस्तार से चर्चा कर सर्वसम्मति से स्वीकृति प्रदान की गई। संस्था द्वारा प्रति वर्ष होली के अवसर पर समाज के ग़मी (शोकाकुल) परिवारों के साथ गुलाल (पुष्प एवं अबीर) लगाकर उन्हें सांत्वना और संबल प्रदान करने की परंपरा निभाई जाती है। इसी क्रम में इस वर्ष भी समाज की गरिमामयी उपस्थिति में यह आयोजन संपन्न होगा। कार्यक्रम में परम पूज्य ब्राह्मण समाज, संत समाज, संरक्षक मंडल, वरिष्ठ समाज, सक्रिय युवा वर्ग, संस्था के सम्मानित सदस्य तथा सीएसपी मातृशक्ति टीम की विशेष सहभागिता रहेगी। मीडिया प्रभारी राजकुमार बजाज ने जानकारी देते हुए बताया कि समाज में जिन परिवारों में वर्ष भर के दौरान किसी पुरुष या महिला सदस्य का निधन हुआ है, वे अपने पारिवारिक सदस्यों एवं रिश्तेदारों सहित इस आयोजन में सम्मिलित होते हैं। संस्था की सीएसपी महिला शक्ति टीम द्वारा ग़मी परिवारों की महिलाओं के लिए पृथक व्यवस्था भी सुनिश्चित की जाती है, जिससे वे सहज और सम्मानजनक वातावरण में शामिल हो सकें। यह कार्यक्रम 2 मार्च 2026, सोमवार को शाम 3:30 बजे से झूलेलाल मंदिर प्रांगण, बजरहा टोला में आयोजित किया जाएगा। आयोजन के दौरान संस्था द्वारा विगत वर्ष में समाजहित में किए गए विभिन्न सेवा कार्यों और गतिविधियों पर भी प्रकाश डाला जाएगा। संस्था द्वारा ग़मी परिवारों ब्राह्मण समाज संत समाज एवं वरिष्ठजनों को ससम्मान पत्रक प्रेषित कर कार्यक्रम की सूचना दी जाती है। यदि किसी कारणवश किसी परिवार तक आमंत्रण पत्र न पहुंच पाए, तो वे इस समाचार के माध्यम से सूचित होकर कार्यक्रम में सपरिवार उपस्थित हो सकते हैं। बैठक में अध्यक्ष मनोहर वाधवानी सहित वरिष्ठ उपाध्यक्ष गणेश वाधवानी कनिष्ठ उपाध्यक्ष मोहन वलेजा महामंत्री मनोहर आर्तानी मंत्री रुपेश वलेचा सह मंत्री इन्द्रलाल कापड़ी कोषाध्यक्ष अनिल धनवानी संरक्षक गोपीचंद कापड़ी आयोजन मंडल प्रमुख राजेश कोटवानी जितेंद्र साबनानी एवं अन्य पदाधिकारियों ने आयोजन की विभिन्न जिम्मेदारियां स्वीकार करते हुए कार्यक्रम को सफल बनाने का संकल्प लिया।

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने किया सिविल अस्पताल का निरीक्षण

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। प्रदेश के उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने शनिवार को मैहर जिले के प्रवास के दौरान सिविल अस्पताल मैहर का औचक निरीक्षण कर स्वास्थ्य सेवाओं की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने मैहर जिला मुख्यालय पर बनने वाले 300 बिस्तरीय अस्पताल के निर्माण के स्थल के लिए पुराने अस्पताल परिसर का भ्रमण कर संभावनायें तलाशी। इस दौरान उन्होंने अस्पताल भवन की लिफ्ट को शीघ्र चालू करने के निर्देश दिये। दवा वितरण व्यवस्था तथा मरीजों को दी जा रही उपचार सेवाओं का अवलोकन किया। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने अस्पताल में भर्ती मरीजों से सीधे संवाद कर उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली और उपचार संबंधी सुविधाओं के बारे में फीडबैक प्राप्त किया।

सिटी कोतवाली पुलिस की कार्रवाई,जानलेवा हमले का फरार आरोपी गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। जान से मारने के प्रयास के मामले में फरार चल रहे आरोपी को सिटी कोतवाली पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। पुलिस अन्य आरोपियों की तलाश में जुटी हुई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार घटना 18 नवंबर 2025 से 19 नवंबर 2025 की दरमियानी रात की है। फरियादी राहुल सिंह उर्फ विक्की पिता रमेश सिंह अपने साथियों शुभम और शुभाशु ताम्रकार के साथ रात्रि करीब 11:30 बजे मेघदूत होटल में भोजन करने गए थे। इसी दौरान आरोपी अतीक उर्फ बुच्चा अपने साथी शेरू के साथ होटल में पहुंचा और गाली-गलौज करते हुए विवाद की स्थिति निर्मित कर दी। आरोप है कि आरोपी ने धमकी दी कि 'बाहर निकल, आज तुझे जान से खत्म कर दूंगा।' भोजन के बाद जैसे ही फरियादी होटल से बाहर निकले, पहले से घात लगाकर बैठे आरोपी अतीक उर्फ बुच्चा ने चार पहिया वाहन ग्रैंड विटारा कार को तेज गति से फरियादी की ओर बढ़ाते हुए जान से मारने की नीयत से टक्कर मार दी और मौके से फरार हो गया। घायल राहुल सिंह को उनके साथियों द्वारा तत्काल जिला अस्पताल ले जाया गया। अस्पताल से प्राप्त नालिश के आधार पर पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर भारतीय न्याय संहिता की धारा 109(1) के तहत अपराध कायम किया। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने मुख्य आरोपी अतीक उर्फ बुच्चा को पूर्व में ही गिरफ्तार कर लिया था, जबकि उसका साथी शेरू उर्फ मोहम्मद नदीम फरार चल रहा था। उसकी लगातार तलाश की जा रही थी और मुखबिर तंत्र सक्रिय किया गया था।

संत निरंकारी मिशन का सशक्त कदम: 'प्रोजेक्ट अमृत' का चौथा चरण 22 फरवरी को

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। जब सेवा साधना बन जाए और प्रकृति के प्रति संवेदना जीवन का मूल मंत्र हो, तब जनकल्याण के पावन संकल्प साकार होते हैं। इसी दिव्य भावना को मूर्त रूप देते हुए संत निरंकारी मिशन द्वारा 'प्रोजेक्ट अमृत' के अंतर्गत 'स्वच्छ जल, स्वच्छ मन' अभियान के चौथे चरण का भव्य शुभारंभ रविवार, 22 फरवरी 2026 को किया जा रहा है। यह अभियान परम श्रद्धेय माता सुदीक्षा जी महाराज के पावन निर्देशानुसार प्रातः 8 बजे से 11 बजे तक समस्त भारत में एक साथ आयोजित होगा। मानव सेवा और लोककल्याण की भावना से प्रेरित यह अभियान जल संरक्षण एवं स्वच्छता के प्रति जनजागरण का महत्वपूर्ण माध्यम बन चुका है। मिशन का उद्देश्य केवल जलस्त्रोतों की सफाई करना ही नहीं, बल्कि समाज में पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी और संवेदनशीलता की चेतना जागृत करना भी है। इसी श्रृंखला में संत निरंकारी मंडल ब्रांच सतना द्वारा 'प्रोजेक्ट अमृत' के चौथे चरण के अंतर्गत स्थानीय स्तर पर स्वच्छता अभियान चलाया जाएगा। यह अभियान जगतदेव तालाब मंदिर परिसर में रविवार, 22 फरवरी 2026 को प्रातः 7 बजे से 9 बजे तक आयोजित किया जाएगा। अभियान के दौरान तालाब परिसर एवं आसपास के क्षेत्र की साफ-सफाई कर जल संरक्षण का संदेश दिया जाएगा। सतना ब्रांच के संयोजक डॉ. जे. पी. सेवानी ने समस्त संतजन एवं श्रद्धालुओं से इस पुनीत अभियान में बढ़-चढ़कर सहभागिता की अपील की है। उन्होंने कहा कि स्वच्छ जल केवल प्रकृति की देन नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के प्रति हमारी जिम्मेदारी भी है। 'स्वच्छ जल, स्वच्छ मन' अभियान समाज में पर्यावरण संरक्षण को आध्यात्मिक दृष्टिकोण से जोड़ते हुए यह संदेश देता है कि बाहरी स्वच्छता के साथ-साथ आंतरिक पवित्रता भी उतनी ही आवश्यक है। इस प्रकार 'प्रोजेक्ट अमृत' का चौथा चरण सेवा, समर्पण और सामूहिक जागरूकता का प्रेरणादायी उदाहरण बनेगा।

सड़क सुरक्षा समिति का निर्णय: मैहर-अमरपाटन बसें आईएसबीटी होकर करेंगी पिक-ड्रॉप, अन्य रूट यथावत

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। शहर की यातायात व्यवस्था को सुव्यवस्थित एवं सुरक्षित बनाए रखने के उद्देश्य से कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में सड़क सुरक्षा समिति एवं नवीन बस स्टैंड संचालन संबंधी महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता अपर कलेक्टर विकास सिंह ने की। विचार-विमर्श के पश्चात मैहर और अमरपाटन रूट की बसों के संचालन को लेकर अहम निर्णय लिया गया। निर्णय अनुसार मैहर एवं अमरपाटन रूट की बसें आगामी आदेश तक आईएसबीटी से संचालित होंगी और वहीं से होते हुए पुराने बस स्टैंड पहुंचकर यात्रियों को पिक-ड्रॉप कर सकेंगी। पिक-ड्रॉप के बाद बसें पुन: आईएसबीटी लौटकर अपने गंतव्य के लिए रवाना होंगी। प्रशासन का मानना है कि इस व्यवस्था से शहर के मुख्य मार्गों पर यातायात दबाव कम होगा तथा बस संचालन अधिक व्यवस्थित ढंग से हो सकेगा। बैठक में यह भी स्पष्ट किया गया कि अन्य सभी रूट की बसें 8 जनवरी 2026 को आयोजित बैठक में लिए गए निर्णय के अनुसार पूर्ववत संचालित होती रहेंगी। यानी जिन रूटों के लिए जो व्यवस्था पहले निर्धारित की गई थी, उसमें कोई परिवर्तन नहीं किया गया है। अध्यक्षता करते हुए अपर कलेक्टर विकास सिंह ने संबंधित अधिकारियों एवं बस संचालकों को निर्देशित किया कि नई व्यवस्था का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाए तथा यात्रियों की सुविधा और सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। उन्होंने कहा कि यातायात प्रबंधन में समन्वय और अनुशासन अत्यंत आवश्यक है। बैठक में शेर सिंह मीना (आयुक्त नगर निगम), राहुल सिलाडिया (एसडीएम), संजय (आरटीओ), संजय खरे (डीएसपी ट्रैफिक), बीआर सिंह (कार्यपालन यंत्री, लोक निर्माण विभाग) सहित संबंधित विभागों के अधिकारी एवं बस संचालक उपस्थित रहे।

सड़क सुरक्षा समिति एवं नवीन स्टैण्ड संचालन संबंधी बैठक संपन्न

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। अमरपाटन रूट की बसें आगामी आदेश तक आईएसबीटी होते हुए पुराने बस स्टैंड तक जाकर सवारी पिक और ड्रॉप कर सकेंगी। जबकि अन्य सभी रूटों की बसें 8 जनवरी 2026 को आयोजित बैठक में लिए गए निर्णय के अनुसार यथावत संचालित होती रहेंगी। यह निर्णय अपर कलेक्टर विकास सिंह की अध्यक्षता में शनिवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित सड़क सुरक्षा समिति एवं नवीन बस स्टैंड संचालन संबंधी बैठक में लिया गया। इस अवसर पर आयुक्त नगर निगम शेर सिंह मीना, एसडीएम राहुल सिलाडिया, आरटीओ संजय वास्तव, डीएसपी ट्रैफिक्र संजय खरे, कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण विभाग बीआर सिंह सहित संबंधित विभागों के अधिकारी और बस संचालक उपस्थित रहे। सडक सुरक्षा समिति की बैठक में आरटीओ संजय ने बसों का संचालन ड्राप प्रस्तुत करते हुए बताया कि 8 जनवरी की सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में लिये गये निर्णय के संबंध में आ रही व्यवहारिक कठिनाइयों की अभ्यावेदन प्राप्त किये गये थे। कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस द्वारा अपर कलेक्टर विकास सिंह की अध्यक्षता में गठित की गई समिति द्वारा अभ्यावेदन के निराकरण और निष्कर्षो के आधार पर सडक सुरक्षा समिति के पूर्व के निर्णय में आंशित संशोधन किया गया है। इसके अनुसार सतना-रीवा मार्ग की समस्त बसे सूत्र सेवा एवं प्राइवेट बसें आईएसबीटी पर खडी होंगी। इस मार्ग की बसें आईएसबीटी से कारगिल ढावा होकर रीवा की तरफ जायेंगी और इसी रूट पर वापस आयेंगी। पुराने बस स्टैण्ड की तरफकोई बस नहीं आयेंगी। बसों का समय चक्र आईएसबीटी से ही संधारित किया जायेगा। मैहर-अमरपाटन रूट की बसों का मुख्य बस स्टैण्ड आईएसबीटी ही होगा। ये बसें अमरपाटन-मैहर से आईएसबीटी ही आयेंगी और इसके पश्चात सवारियों के पिक एन ड्राप के लिए पुराने बस स्टैण्ड तक जायेंगी। पुराने बस स्टैण्ड में सिर्फपिक एन ड्राप कर तत्काल बसें वापस रवाना होकर आईएसबीटी आयेंगी और यहां से मैहर-अमरपाटन रवाना होंगी। इन बसों का समय चक्र भी नवीन आईएसबीटी से ही संधारित होगा। तीसरे रूट में सेमरिया-पन्ना-चित्रकूट की रूट की बसें पूर्ववत पुराने बस स्टैण्ड से ही संचालित होंगी। इनका मुख्य ठहराव पुराने बस स्टैण्ड पर ही होगा। इन बसों का समय चक्र भी पुराने बस स्टैण्ड से ही संधारित किया जायेगा। इसके अलावा बस मालिकों के अभ्यावेदनों पर यह भी निर्णय लिया गया कि यह आदेश अस्थायी रूप से आगामी निर्णय तक लागू रहेगा। सभी वाहन स्वामी जिन्हें परमिट में दूरी, रूट की समस्या है वे तीन-चार महीनों में अपने परमिटों को आरटीओ सतना-रीवा से समन्वय कर आरटीए (रीवा संभागायुक्त) से नियमित करायेंगे। संबंधित रोड एजेंसी आईएसबीटी और उसके आस-पास की रिंग रोड आदि की सडकों का कार्य आगामी माहों में यथा शीघ्र पूर्ण कराने का प्रयास करेंगी।

10 पर दंगा भड़काने का आरोप, 4 नामजद आरोपी चिन्हित; हालत स्थिर

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। कांग्रेस द्वारा आयोजित पुतला दहन कार्यक्रम के दौरान एक हादसा हो गया। इस घटना में यातायात प्रभारी विक्रम पाठक आग की चपेट में आने से झुलस गए। उनका उपचार जारी है और फिलहाल उनकी स्थिति स्थिर बताई जा रही है, हालांकि वे चिकित्सकीय निगरानी में हैं। हादसे के बाद पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 125 और 191(2) के तहत मामला दर्ज किया है। जांच में सामने आया है कि इस कार्यक्रम के लिए प्रशासन से विधिवत अनुमति नहीं ली गई थी। इसके अलावा, जिस स्थान के लिए अनुमति मांगी गई थी, कार्यक्रम वहां न होकर किसी अन्य स्थान पर आयोजित किया गया था। बताया गया है कि यातायात प्रभारी ने पुतला हटाने की कोशिश की, तभी किसी ने उस पर पेट्रोल छिड़ककर आग लगा दी। इस घटना से प्रशासनिक व्यवस्था और सुरक्षा प्रबंधन प्रभावित हुआ। मैहर के पुलिस अधीक्षक अवधेश सिंह ने मामले को गंभीरता से लेते हुए निष्पक्ष जांच और आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। पुलिस अधीक्षक ने यह भी बताया कि जांच के दौरान यदि अन्य तथ्य सामने आते हैं, तो प्रकरण में और धाराएं बढ़ाई जा सकती हैं। फिलहाल पुलिस पूरे घटनाक्रम की जांच में जुटी है और सीसीटीवी फुटेज खंगालने के साथ-साथ प्रत्यक्षदर्शियों के बयान दर्ज कर रही है। इस मामले में मैहर थाने में आरक्षक भारतेंदु सिंह परिहार की शिकायत पर एफआईआर दर्ज की गई है।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया प्रकाशन रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय प्रभात बिहार कॉलोनी सतना से प्रकाशित, संपादक संदीप द्विवेदी आर.एन.आई नं.एमपीएचआईएन/2021/81683
प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9407132714, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार, सभी विवादो का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।